RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक:23 ता. 19 जुलाई 2024, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

पाक सीमा में 13 हजार चीनी ड्रोन

नई दिल्ली । पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई, आतंकी संगठनों व तस्करों की मदद से जम्मू-कश्मीर और पंजाब में ड्रोन के जरिए हथियार, कारतूस, ड्रग्स के पैकेट गिराने की मौजूदा रफ्तार में तेजी लाने जा रही है। केंद्रीय एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तानी सीमा में लगभग 13 हजार ड्रोन की खेप पहुंच गई है। बॉर्डर के करीब सेना की निगरानी वाले स्थान पर पीली टेप के हजारों बंडल पड़े हैं। खास बात है कि ड्रोन व पिस्टल, चीन निर्मित हैं, जबकि कारतूस और ड्रग्स पाकिस्तान की है। ड्रोन की दिशा, सीमा पार जम्मू-कश्मीर और पंजाब रहेगी। इस बाबत भारत की सुरक्षा एजेंसियों को सीमावर्ती इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है। भारतीय सीमा में मानसून के दौरान, ड्रोन के जरिए पीले रंग के पैकेट गिराए जाने की घटनाओं में तेजी देखने को मिल सकती है।

संदिग्ध चांदीपुरा वायरस से 4 और बच्चों की मौत

मौतों की संख्या 19 पर पहुंची, अब तक 31 मामले दर्ज; 5 बच्चों का इलाज चल रहा

राजकोट। गुजरात में चांदीपुरा वायरस से संक्रमित मरीजों के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं। आज राजकोट में 3 और पंचमहल जिले में 1 बच्चे की मौत हो गई। इससे मरने वालों की संख्या बढक़र 19 हो गई है। राज्य में अभी तक चांदीपुरा वायरस के 31 संदिग्ध केस सामने आए है, जिसमें से 5 मरीजों का इलाज चल रहा है। राजकोट जिले में ही अब तक 5 संदिग्ध मरीजों की मौत हो चुकी है। इसमे मोरबी के राशि प्रदीप सहरिया को 12 जुलाई को राजकोट सिविल में भर्ती कराया गया था, जिसकी 14 जुलाई को मौत हो गई। पडघारी के हड़मतिया के 2 वर्षीय प्रदीप गोविंदभाई राठौड़ को 9 जुलाई को भर्ती कराया गया था और 15 जुलाई को उसकी मौत हो गई। जेतपुर के हुमाया गांव के 8 वर्षीय कालू चंपूलाल को 15 जुलाई को भर्ती कराया गया था और उसी दिन उसकी मौत हो गई थी। इसके अलावा, मध्य प्रदेश के 13 वर्षीय सुजाकुमार धनकन को 16 जुलाई को भर्ती कराया गया था और उसी दिन मौत हो गई थी। जबकि 3 वर्षीय रितिक राजाराम मुखिया को 14 जुलाई को भर्ती कराया गया था और 17 जुलाई को उसने दम तोड़ दिया।

सुप्रीम कोर्ट के दो नए जजों ने ली शपथ

मणिपुर से सुप्रीम कोर्ट को मिला पहला जज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के दो नए जजों को गुरुवार को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने शपथ दिलाई। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट में अब 34 जजों की संख्या पूरी हो गई है। दो नए जजों में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह और मद्रास हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आर महादेवन शामिल हैं। जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह मणिपुर से आते हैं। राज्य से सुप्रीम कोर्ट पहुंचने वाले वे पहले जज बन गए हैं। 11 जुलाई को सीजेआई की अध्यक्षता वाले 5 सदस्यीय कॉलेजियम ने जस्टिस सिंह और जस्टिस महादेवन के नाम की सिफारिश की थी। इस 16 जुलाई को केंद्र ने मंजूरी दी थी।

हरियाणा में अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी आप

-इंडिया ब्लॉक से नाता तोड़ा, सभी 90 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

चंडीगढ़ । हरियाणा में इंडिया गठबंधन टूट गया है। आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में अकेले विधानसभा चुनाव लडने का ऐलान कर दिया है। पंजाब सीएम भगवंत मान ने कहा कि पार्टी पूरी ताकत से हरियाणा में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। दिल्ली और पंजाब में हमारी सरकार है। आधा हरियाणा पंजाब और आधा दिल्ली से टच करता है। उन्होंने कहा कि बड़ी बात यह है कि केजरीवाल साहब हरियाणा से संबंध रखते हैं। आप के महासचिव संदीप पाठक ने कहा कि हरियाणा में हम हर सीट पर चुनाव लड़ेंगे। हम हरियाणा में अकेले सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जनता बदलाव चाह रही है। हमारा फर्ज है कि जनता की उम्मीदों को पूरा करें। हमारी पार्टी सर्वे में नहीं आती है, जबकि सीधे सरकार बनाती है। बता दें कि अभी हाल में हरियाणा में आप और कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के तहत लोकसभा चुनाव लड़ा था। 9 सीटों पर कांग्रेस ने उम्मीदवार उतारे थे, जबकि एक सीट कुरुक्षेत्र पर आप का उम्मीदवार मैदान में था। आप की तरफ से सुशील कुमार गुप्ता कैंडिडेट थे। जिन्हें भाजपा के नवीन जिंदल से हार का सामना करना पड़ा था।

मप्र-राजस्थान समेत चार प्रदेशों के आदिवासियों का मानगढ़ में जमावड़ा

4 राज्यों के 49 जिले मिलाकर भीलप्रदेश बनाने की मांग

-भील प्रदेश की मांग में राजस्थान के 12, मप्र के 13 जिले शामिल

बांसवाड़ा ।

देश के 4 राज्यों के 49 जिले मिलाकर भील प्रदेश बनाने की मांग जोर पकडऩे लगी है। इस मांग को लेकर गुरुवार को बासंवाड़ा के मानगढ़ धाम में आयोजित महारैली में राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग राजस्थान के बांसवाड़ा स्थित मानगढ़ धाम पहुंचे। इस रैली में कई सांसद-विधायक भी शामिल हुए। मानगढ़ धाम आदिवासियों का तीर्थ स्थल है। राजस्थान सरकार भील प्रदेश की मांग पहले ही खारिज कर चुकी है। बांसवाड़ा से भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के सांसद राजकुमार रौत ने कहा- भील प्रदेश की मांग नई नहीं है। बीएपी पुरजोर तरीके से यह मांग उठा रही है। महारैली के बाद एक डेलीगेशन राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री से प्रस्ताव के साथ मुलाकात करेगा। भील समाज की सबसे बड़ी संस्था आदिवासी परिवार सहित 35 संगठनों ने यह महारैली बुलाई थी। आदिवासी परिवार संस्था की संस्थापक सदस्य मेनका डामोर ने मंच से कहा- आदिवासी महिलाएं पंडितों के बताए अनुसार न चलें। आदिवासी परिवार में सिंदूर नहीं लगाते, मंगलसूत्र नहीं पहनते। आदिवासी समाज की महिलाएं-बालिकाएं शिक्षा पर फोकस करें। अब से सब व्रत-उपवास बंद कर दें। हम हिंदू नहीं हैं। आदिवासी परिवार संस्था चारों राज्यों में फैली हुई है। आदिवासी समाज ने राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात एवं मध्य प्रदेश के 49 जिलों को मिलाकर नया राज्य भील प्रदेश बनाने की मांग की है। इसमें राजस्थान के पुराने 33 जिलों में से 12 जिलों को शामिल करने की मांग है।

जाति के आधार पर प्रदेश नहीं बन सकता

राजस्थान में राजनीतिक ताकत मिलते ही बीएपी ने अन्य जिलों और राज्यों के आदिवासियों को साथ लेकर अलग राज्य और संगठन मजबूत बनाने की मुहिम तेज कर दी है। बीएपी के पास राजस्थान के आदिवासी जिले बांसवाड़ा से 2 विधायक और एक सांसद है। लेकिन भील प्रदेश की मांग को लेकर सरकार ने अपना मत स्पष्ट कर दिया है। जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा- जाति के आधार पर स्टेट नहीं बन सकता। ऐसा हुआ तो अन्य लोग भी मांग करेंगे। हम केंद्र को प्रस्ताव नहीं भेजेंगे। खराड़ी ने यह भी कहा कि जिसने धर्म बदला उनको आदिवासी आरक्षण का लाभ न मिले। खराड़ी ने डूंगरपुर दौरे के दौरान यह बयान दिया।

संसद में लगाया था भील प्रदेश का नारा

बीएपी सांसद राजकुमार रौत ने पिछले दिनों लोकसभा में सांसद की शपथ लेने के दौरान भी भील प्रदेश के समर्थन में नारे लगाए थे। वे भील प्रदेश बनाने की मांग करते हुए ऊंट पर बैठकर संसद पहुंचे थे। बांसवाड़ा जिले के जिस मानगढ़ धाम पर यह रैली हो रही है, वह आदिवासियों के लिए तीर्थ स्थल की तरह है और चारों प्रदेश के आदिवासियों से इसका भावनात्मक जुड़ाव है।

मानगढ़ की पहाड़ी का एक हिस्सा गुजरात में और एक हिस्सा राजस्थान में शामिल है। इस पहाड़ी क्षेत्र में गोविंद गुरू नामक आदिवासी नेता ब्रिटिश हुकुमत के खिलाफ स्वतंत्रता का आंदोलन चला रहे थे। तब 19 नवंबर-1913 को इसी धाम पर ब्रिटिश सरकार ने उन्हें व उनके आदिवासी साथियों को घेर लिया था।

नीट विवाद : सभी छात्रों के सेंटर और शहर के हिसाब से रिज्लट जारी करे

-सुप्रीम कोर्ट का एनटीए का आदेश

सोमवार को फिर होगी सुनवाई

नई दिल्ली ।

नीट विवाद पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई गुरुवार को सीबीआई रिपोर्ट से शुरू हुई थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के कम नंबर, आईआईटी मद्रास की रिपोर्ट, पेपर में गड़बडी कब और कैसे हुई, कितने सॉल्वर्स पकड़े गए, फिर जांच की मांग और पेपर में गड़बड़ी की पूरी टाइमलाइन पर चर्चा हुई। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को सभी छात्रों के सेंटर और शहर के हिसाब के अनुसार रिजल्ट ऑनलाइन अपलोड करने का आदेश दिया है। इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने काउंसलिंग पर रोक लगाने से इंकार कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को निर्देश दिया कि सभी छात्रों के परिणाम-शहरवार और केंद्रवार-शनिवार दोपहर 12 बजे तक ऑनलाइन अपलोड किए जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार तक काउंसलिंग पर रोक लगाने से इंकार किया। एसजी ने कहा, काउंसलिंग में कुछ समय लगेगा। यह 24 जुलाई के आसपास शुरू होगी। सीजेआई ने कहा, हम सोमवार को ही सुनवाई को तैयार है।

नीट यूजी परीक्षा रद्द होगी या नहीं?

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को लंबी बहस के बाद भी 23 लाख मेडिकल इच्छुक को इस सवाल के जवाब का इंतजार है। अब नीट विवाद पर उम्मीदवारों को सोमवार को होने वाली सुनवाई का इंतजार करना होगा। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से पूछा, 23.33 लाख में से कितने छात्रों ने अपना परीक्षा सेंटर बदला? इस पर एनटीए ने जवाब दिया कि करेक्शन के नाम पर छात्रों ने सेंटर बदला है। 15,000 छात्रों ने करेक्शन विंडो का इस्तेमाल किया था। हालांकि एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि छात्र सिर्फ शहर बदल सकते हैं और कोई भी उम्मीदवार केंद्र नहीं चुन सकता। सेंटर का चयन अलॉटमेंट सिस्टम द्वारा होता है। सेंटर का अलॉक्शन परीक्षा से सिर्फ दो दिन पहले होता है, इसलिए किसी को नहीं पता कि कौन सा सेंटर मिलने वाला है।

जब हुई आईआईटी मद्रास की रिपोर्ट पर चर्चा

केंद्र और एनटीए की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में कहा था कि आईआईटी मद्रास की रिपोर्ट में नीटी यूजी 2024 परीक्षा में कोई गड़बड़ी सामने नहीं आई है। आईआईटी ने निष्कर्ष निकाला था कि परीक्षा के परिणामों में असामान्यता का कोई संकेत नहीं था। रिपोर्ट में कहा गया है कि न किसी गड़बड़ी का संकेत था और न ही उम्मीदवारों के एक स्थानीय समूह को लाभ पहुंचाया गया था, जिससे असामान्य अंक आए।

सुनवाई से पहले एनटीए ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में अपना लिखित जवाब दाखिल किया है। एनटीए का कहना है कि नीट परीक्षा में कोई सिस्टेमैटिक फेलियर नहीं था।

चंडीगढ़ एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतरे

2 यात्रियों की मौत, 20 जख्मी

लखनऊ।

गोंडा जिले के गोंडा- मनकापुर रेलखंड के बीच चंडीगढ़ एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे में 2 लोगों की मौत की खबर है जबकि 20 से अधिक लोग जख्मी हो गए हैं। 2 यात्रियों के पैर कट गए हैं। ज्यादातर घायल यात्री एसी कोच के बताए जा रहे हैं। 15904 -चंडीगढ़ एक्सप्रेस चंडीगढ़ से गोरखपुर जा रही थी। हादसा मोतीगंज थाना क्षेत्र के फिकौरा गांव के पास हुआ। पौने तीन बजे दो डिब्बे बेपटरी हुए, उसके बाद 12 और डिब्बे पलट गए। 15904 -चंडीगढ़ एक्सप्रेस चंडीगढ़ से गोरखपुर जा रही थी। हादसा मोतीगंज थाना क्षेत्र के फिकौरा गांव के पास हुआ। पौने तीन बजे दो डिब्बे बेपटरी हुए, उसके बाद 12 और डिब्बे पलट गए।

हेल्पलाइन नंबर जारी

पूर्वोत्तर रेलवे के बाराबंकी-गोरखपुर रेल खण्ड पर मोतीगंज-झिलाही स्टेशनों के मध्य डाउन लाइन पर 15904 चण्डीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के हादसे के फलस्वरूप रेल यात्रियों की सहायता हेतु हेल्पलाइन नम्बर जारी किया है।

घर वापसी कर सकते हैं अजित पवार

नई दिल्ली ।

महाराष्ट्र में अपने चाचा शरद पवार से बगावत करने वाले अजित पवार वापस अपने चाचा के साथ जा सकते हैं। ऐसा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी एक मराठी पत्रिका का कहना है। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से उनके कई नेता अजित का साथ छोड़ चुके हैं। अजित पवार को सबसे ताजा झटका बुधवार को पिंपरी चिंचवाड़ में लगा।वहां उनके गुट के चार बड़े नेताओं पार्टी छोड़ दी। पार्टी छोड़ने वालों में एनसीपी (अजित गुट) के पिंपरी-चिंचवाड़ यूनिट के प्रमुख अजित गवाहाने, एनसीपी की छात्र शाखा के प्रमुख यश साने,पूर्व पार्षद राहुल भोसले और पंकज भालेकर के नाम शामिल हैं।बाद में ये नेता अजित पवार की पार्टी के 20 से अधिक अन्य नेताओं के साथ शरद पवार की एनसीपी में शामिल हो गए। अजित पवार की एनसीपी के साथ हुए गठबंधन की वजह से लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में बीजेपी को झटका लगा है। इसके बाद अजित पवार के महायुति में बने रहने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार से जब अजित पवार के पार्टी में शामिल होने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी में किसी भी नेता के संभावित प्रवेश पर निर्णय सामूहिक होगा। उन्होंने इस बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया कि अगर अजित पवार वापस आना चाहते हैं तो उन्हें पार्टी में शामिल किया जाएगा या नहीं। उन्होंने कहा,इस तरह के फैसले व्यक्तिगत स्तर पर नहीं लिए जा सकते।संकट के दौरान मेरे साथ खड़े रहे मेरे सहयोगियों से पहले पूछा जाएगा। इससे पहले शरद पवार की पार्टी के प्रवक्ता क्लाईड क्रैस्टो ने आरएसएस से जुड़े मराठी पत्रिका विवेकमें प्रकाशित एक लेख के आधार पर कहा था कि बीजेपी अजित पवार नीत एनसीपी को सतारूढ़ महायुति से अलग होने का संदेश दे रही है। उन्होंने कहा था कि लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद बीजेपी महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है, लेकिन उसको इस बात का एहसास है कि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ गठबंधन में रहने पर उसकी जीत की संभावनाएं कम होंगी।

कुपवाड़ा में मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने दो आतंकी किए ढेर, डोडा में भी ऑपरेशन जारी

जम्मू कश्मीर।

जम्मू संभाग के जिला डोडा के बाद कश्मीर के उत्तरी इलाके के जिला कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में मुठभेड़ शुरू हो गई है। गुरुवार को सीमांत क्षेत्र केरन में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई। मौके पर सेना की 6 आरआर और पुलिस के एसओजी के जवानों ने मोर्चा संभाला हुआ है। यहां, जवानों ने दो आतंकवादी मार गिराए हैं। जम्मू कश्मीर में गुरुवार को मौसम बिगड़ा हुआ है। कई इलाकों में बारिश हुई है। बादल छाए हुए हैं। इससे पहाड़ी इलाके धुंध से घिर जाते हैं। इसी बीच सुरक्षाबल आतंकियों से लोहा ले रहे हैं। उधर, डोडा में भी मुठभेड़ चल रही है। बिगड़े मौसम के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। डोडा में सोमवार से आतंकियों की तलाश के लिए अभियान चल रहा है। डोडा में चार दिनों में ये तीसरी मुठभेड़ है, लेकिन अभी सुरक्षाबलों को सफलता नहीं मिल पाई है। घने जंगल, ऊंचे पहाड़ और बिगड़ा हुआ मौसम सुरक्षाबलों के लिए चुनौती बना हुआ है, लेकिन जवान डटे हुए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि जल्द ही आतंकियों का सफाया किया जाएगा। रामबन-डोडा रेंज के डीआइजी श्रीधर पाटिल ने कहा कि ऑपरेशन अभी चल रहा है। जल्द इसे पूरा कर लिया जाएगा। देर रात करीब दो बजे डोडा के कास्तीगढ़ इलाके में हुई मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए हैं। उन्हें राजकीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद कमान अस्पताल भर्ती कराया गया है। यहां उनका उपचार चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में सर्च ऑपरेशन चल रहा है। इसी बीच रात में सेना ने संदिग्ध गतिविधियां देखी। तुरंत तलाशी के दौरान आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि शुरुआती गोलीबारी के दौरान सेना के दो जवान घायल हो गए।

आगामी बजट में मिडिल क्लास को बड़ी सौगात दे सकती है सरकार

पीएम आवास योजना में इनकम लिमिट होगी कम

नई दिल्ली ।

देश के शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए सरकार पीएम आवास योजना को बढ़ाना चाहती है। सरकार शहरों में रहने वाले मध्यम वर्गीय परिवारों की आय सीमा को घटाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस योजना का लाभ देने पर विचार कर रही है। इसके साथ ही सरकार इसे सही तरह से अमल में लाने के लिए एक बार की जगह पांच साल के लिए सब्सिडी दिया जाएगा। हालांकि सब्सिडी की राशि को लेकर सरकार चुप है। वहीं सूत्रों की मानें तो सरकार अंतिम चरण में दी गई राशि को ही इस बार भी देने की तैयारी कर रही है। पिछली बार इस योजना के तहत 2.6 लाख रुपये दिए गए थे।

आगामी 23 जुलाई को आने वाले बजट में ऐसी संभावना है कि सरकार इस योजना को अमल में लाए। वर्तमान समय में इस योजना में इनकम लिमिट 18 लाख रुपये है। लेकिन सरकार इस लिमिट को घटाकर 10 लाख रुपये करना चाहती है। अभी तक यह योजना दो चरणों में चल रही थी। पहले चरण में सरकार जिनकी आय 6 लाख से 12 लाख रुपये के बीच हैं तथा जिन परिवार की आय 12 लाख से लेकर 18 लाख के बीच है। जिसे अब सरकार एक श्रेणी में करने पर विचार कर रही है। इस योजना के तहत उन परिवारों को शामिल किया जा सकता है। जो परिवार शहरों में किराए के घरों, अवैध कॉलोनियों और झुग्गियों में रहने वाले परिवारों को उनके घर के लिए कुछ पैसे देकर उनकी मदद करना है। इन रुपयों पर ब्याज लगेगा लेकिन उसका ब्याज बहुत कम होने की संभावना है। इसको लेकर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सरकार इस बार पिछली योजनाओं से सीख के कई नए नियम बनाए गए हैं। इस वजह से सिस्टम को सही तरीके से चलाया जा सके। केंद्र सरकार नए सरकार के गठन के बाद पहली कैबिनेट बैठक में अगले पांच वर्षों में तीन करोड़ परिवारों को घर देने का लक्ष्य रखा है। जिसमें से दो करोड़ ग्रामीण क्षेत्रों में जबकि शहरी इलाकों में एक करोड़ का सरकार ने लक्ष्य रखा है। इस योजना के लिए सरकार बजट आवंटित करेगी।

रील बनाने का शौक बना... अन्वी की मौत का कारण

रायगढ़ ।अपनी ट्रैवल से जुड़ी रील बनाकर मशहूर हुई अन्वी कामदार की मौत हो गई है । अन्वी मुंबई के करीब रायगढ़ में कुंभे झरने में शूटिंग के लिए गई थी । तभी दुर्घटना में उसकी मौत हो गई । अधिकारियों की ओर से बताया गया कि, एक रील शूट करते समय अन्वी का पैर अचानक फिसल और 300 फीट गहरी खाई में गिर गई । यह हादसा रायगढ़ के पास कुंभे झरने पर हुआ । अन्वी 16 जुलाई को अपने सात दोस्तों के साथ ट्रैक पर निकली थी। सुबह करीब 10:30 बजे के आस-पास अन्वी वीडियो शूट करते समय एक गहरी खाई में गिर गई, जिसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने तुरंत आपातकालीन स्थिति पर एक बचाव दल घटनास्थल पर भेजा । तटरक्षक बलों के साथ

महाराष्ट्र राज्य विद्युत बोर्ड के कर्मचारियों से अतिरिक्त सहायता मांगी गई, लेकिन अन्वी को नहीं बचाया जा सका । अन्वी को ट्रैवलिंग का शौक था । प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कुंभे झरने की सुंदरता को कैमरे में कैद करने में अन्वी हादसे का शिकार हुई, जिसमें उसकी मौत हो गई ।

ऑस्ट्रेलिया में दो भारतीय छात्रों की मौत

नई दिल्ली ।ऑस्ट्रेलिया में दो भारतीय छात्रों की झरने में डूबने से मौत हुई है । आंध्र प्रदेश के दो छात्र क्वींसलैंड केन्र्स के पास मिल्ला फॉल्स में तैरते समय डूब गए । बापटला जिले के वैतन्य मुप्पाराजू और आंध्र के प्रकाशम जिले के सूर्य तेजा बोब्बा जिसकी आयु 20 साल की थी ऑस्ट्रेलिया पढ़ाई के लिए गए थे । पानी में बहाव के चलते दोस्त को बचाने की कोशिश में दोनों की मौत हुई । दोनों भारतीय छात्र 16 जुलाई, 2024 को डूब गए । ऑस्ट्रेलियाई आपातकालीन सेवाओं को घटना की जानकारी मिली और आपातकालीन सेवा कर्मियों ने तुरंत कॉल का जवाब दिया । छात्रों की तलाश के प्रयास छात्रों को खोजने के लिए काफी प्रयास किए गए, लेकिन वे तुरंत नहीं मिले । पुलिस ने खुलासा किया कि घटनास्थल पर एक और छात्र मौजूद था । हालांकि, उसकी पहचान बताए बिना, उन्होंने उसे स्पष्ट रूप से सदमे में बताया । पुलिस के अनुसार, घटना तब हुई जब एक दोस्त पानी में संघर्ष करता हुआ दिखाई दिया । दूसरे ने मदद करने का प्रयास किया, लेकिन दोनों डूब गए । क्वींसलैंड पुलिस ने पुष्टि की कि तीन लोगवॉटरहोल पर तैर रहे थे । दोनों छात्रों के शवों को भारत वापस लाने के खर्च को कवर करने के लिए एक ऑनलाइन धन संचयक, की स्थापना की गई थी ।

उत्तराखंड में अनियंत्रित होकर खाई में गिरी कार, दो की मौत, चार की हालत गंभीर

रुद्रप्रयाग । उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के चोपता-डूंगरी मार्ग पर कोटेश्वर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया । बताया जा रहा है कि एक कार अचानक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी, कार में छह लोग सवार थे जिसमें से दो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई । जबकि चार अन्य घायल हैं । एसडीआरएफ टीम ने सभी घायलों का रेस्क्यू कर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनका इलाज चल रहा है । साथ ही मृतकों के शव भी एसडीआरएफ ने खाई से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं । बताया जा रहा है इस हादसे में मरने वाले और घायल सभी एक ही परिवार के हैं जिसमें चार महिलाएं और दो पुरुष थे । सभी मृतकों और घायलों की पहचान रुद्रप्रयाग के डूंगरी गांव के निवासी के रूप में हुई है । पुलिस ने बताया कि गुरुवार को उन्हें आपदा कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि कोटेश्वर के पास चोपता-डूंगरी मार्ग पर एक कार 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई है । इसके बाद तुरंत पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कार्य शुरू किया । एसडीआरएफ की टीम ने बड़ी मुश्किल से रस्सी के सहारे खाई में उतर कर स्ट्रेचर की मदद से हादसे में घायल चार लोगों को बाहर निकाला । जब एसडीआरएफ की टीम खाई में उतरी थी तब तक दो महिलाओं की मौत हो चुकी थी । जिसके बाद टीम ने मृतक महिलाओं के शव बाहर निकाले और पुलिस सौंप दिए । इस हादसे में देवेश्वरी देवी (45), पूजा (27) पुरुष जीतपाल (50), बुद्धिलाल (70) गंभीर रूप से घायल हैं । कल्पेश्वरी (58) और आरती (24) की मौके पर ही मौत हो गई ।

शंकराचार्य ने केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब होने का लगाया आरोप

- हालांकि बद्री-केदार मंदिर समिति की ओर से आरोपों को निराधार बताया

रुद्रप्रयाग । केदारनाथ धाम के जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने आरोप लगाया है कि केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब किया गया है और इसकी जांच होनी चाहिए । उन्होंने यह भी कहा कि अब केदारनाथ धाम के नाम पर दिल्ली में मंदिर बनाया जाना सरासर गलत है । केदारनाथ मंदिर को वर्ष 2022 में स्वर्णमंडित किया गया था । उस दौरान भी तीर्थ पुरोहित समाज ने आरोप लगाया था कि मंदिर के गर्भगृह में सोने की जगह तांबा लगाया गया है । लेकिन तब यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया था । हालांकि बद्री-केदार मंदिर समिति की ओर से इस मामले में कई बार बयान जारी किया गया और आरोपों को निराधार बताया गया । केदारसभा के पूर्व अध्यक्ष किशन बगवाड़ी ने भी शंकराचार्य की बातों की समर्थन किया है । उन्होंने कहा ?कि इसकी जांच होनी चाहिए । वहीं शंकराचार्य के बयान के बाद बद्री-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय ने कहा ?कि मैं इस बहस में नहीं पड़ना चाहता हूं कि वह शंकराचार्य हैं कि नहीं, लेकिन वह संत होने के नाते सही बयानबाजी करें । इतनी प्रेस वार्ता कोई राजनेता भी नहीं करता है, जितनी वह कर रहे हैं, और प्रेस वार्ता से कुछ न कुछ विवाद खड़ा कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि उनके पास यदि कोई साक्ष्य है, तो वह सबके सामने पेश करें । मंदिर के गर्भगृह को स्वर्णमंडित कराने में प्रदेश सरकार और मंदिर समिति का कोई योगदान नहीं हैं । जिस दानदाता ने मंदिर को स्वर्ण मंडित किया है, उन्होंने अपने ज्वैलर्स के माध्यम से केदारनाथ मंदिर में सोना पहुंचाया । जो सोना केदारनाथ धाम के गर्भगृह में लगा है, वह चांदी की लेयर में लगा है और इसमें 23 किलोग्राम सोना है । इस पूरे मामले पर कांग्रेस जिला प्रवक्ता नरेंद्र बिष्ट ने भी अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि पिछले एक साल से कांग्रेस इस सोने के मुद्दे को उठा रही है, लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रही है ।

उमर अब्दुल्ला ने कहा, सरकार को आतंकी हमलों में जिम्मेदारी लेनी होगी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने डोडा जिले में सोमवार शाम सुरक्षाबलों पर आतंकवादी हमले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा । सरकार यह नहीं बताती है कि आतंकवाद को खत्म करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं । ऐसे हमलों के बाद किसी न किसी की जिम्मेदारी जरूर बनती है । सरकार को अपनी जिम्मेदारी स्वीकारनी होगी । उन्होंने जम्मू-कश्मीर के डीजी के बारे में कहा कि उन्होंने सियासत में कदम रख दिए हैं । बेहतर यह होता कि सियासत का काम नेताओं को करने देते । उनका काम यहां के हालातों को बेहतर बनाना, आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करना है । डीजी का काम आतंकवादियों के खिलाफ लड़ना है, इसलिए उनको अपना काम करना चाहिए और हमको अपना काम करने दें । उमर अब्दुल्ला ने मुहर्रम के जुलूस में लोगों की गिरफ्तारी पर कहा कि पुलिस को इस तरह की कार्रवाई नहीं करनी चाहिए । किसी और धर्म के लोगों को निशाना नहीं बनाया जाता है, केवल मुस्लिमों को निशाना बनाना इतना आसान क्यों लगता है ? उमर अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने कहा है कि जम्मू कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव होंगे जल्द से जल्द जम्मू कश्मीर को रियासत का दर्जा दिया जाएगा । जम्मू-कश्मीर को चुनाव से पहले ही राज्य का दर्जा देकर लोगों के हाथों में हुकूमत दे दी जाए । यहां केंद्र शासित प्रदेश लागू करने का फैसला पूरी तरह विफल हो गया है । इसलिए हम चाहेंगे यहां जल्द से जल्द चुनाव कराएं और राज्य का दर्जा वापस दिलाएं । बता दें कि डोडा हमले में एक अधिकारी सहित सेना के चार जवान और एक स्थानीय पुलिसकर्मी शहीद हो गया था । उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पिछले एक साल से जम्मू में आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं । शायद ही जम्मू का कोई ऐसा इलाका है, जो आतंकी गतिविधियों से बचा है । पीर पंजाल में लगातार आतंकी हमले हो रहे हैं । रियासी, सांबा, कठुआ में भी हमले हो रहे हैं । अगर हमारी सूचना सही है तो पिछले एक साल में हमारे सुरक्षा बलों के 55 लोग मारे गए हैं ।

लाडला भाई योजना पर राजनीति शुरू, उद्धव गुट ने बताया चुनावी स्टंटबाज़ी, संजय राऊत ने पूछा- पैसा कहां है?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने लड़कियों के लिए 'माझी लड़की बहिन योजना' की घोषणा के बाद राज्य में लड़कों के लिए 'लाडला भाई योजना' की घोषणा की। आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर महाराष्ट्र के पंढरपुर में बोलते हुए, शिंदे ने कथित तौर पर कहा कि राज्य सरकार लड़कों और लड़कियों के बीच अंतर नहीं करती है और 'लाडला भाई योजना' योजना बेरोजगारी के मुद्दे को हल करेगी। सीएम शिंदे ने कहा कि इस योजना का लक्ष्य कुशल कार्यबल तैयार करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इतिहास में यह पहली बार है कि किसी सरकार ने ऐसी योजना पेश की है।

हालांकि, इसके ऐलान होते ही राज्य में सियासी बयार चल पड़ी। विपक्ष ने सरकार पर तंज कसने शुरू कर दिए हैं। उद्धव गुट के सांसद संजय राऊत ने इसे चुनावी स्टंटबाज़ी बता दिया। उन्होंने कहा कि लाडला भाई, लाडले पिताजी, लाडली माताजी, ये सभी ऑफर आगामी विधानसभा चुनाव के लिए हैं। सरकारी खजाने में पैसा नहीं है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार पर 8 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। लोकसभा चुनाव हारने के बाद शिंदे, फडणवीस और पवार के गुट को लाडली बहन और लाडला भाई की याद आ रही है। लाडली बहन को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है क्योंकि उन्हें घर चलाना है...उन्हें प्रति माह 10,000 रुपये दिए जाने चाहिए।

इस योजना के तहत युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर विभिन्न वित्तीय लाभ प्रदान किए जाएंगे। 12वीं कक्षा पास करने वाले युवाओं को 6,000 रुपये प्रति माह, डिप्लोमा करने वालों को 8,000 रुपये प्रति माह और स्नातक युवाओं को 10,000 रुपये प्रति माह सरकार की ओर से मिलेंगे। लाडला भाई योजना के तहत, युवाओं को एक कारखाने में एक साल की प्रशिक्षुता से गुजरना होगा, जिससे उन्हें मूल्यवान कार्य अनुभव प्राप्त होगा जो उन्हें उस अनुभव के आधार पर नौकरी सुरक्षित करने में मदद करेगा। सीएम शिंदे ने कहा कि इस पहल का लक्ष्य कुशल कार्यबल तैयार करना है।

शिंदे ने कहा, ÷यह योजना न केवल राज्य के उद्योगों को बल्कि देश भर के उद्योगों को कुशल युवा प्रदान करेगी। सरकार युवाओं को उनकी नौकरियों में कुशल बनने में मदद करने के लिए उनकी प्रशिक्षुता के दौरान भुगतान करेगी।÷ सीएम एकनाथ शिंदे ने घोषणा की है कि इस योजना के तहत, सरकार महाराष्ट्र के युवाओं को कारखानों में प्रशिक्षुता के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगी जहां उन्हें व्यावहारिक कार्य अनुभव प्राप्त होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल एक ऐतिहासिक पहल है, जिसका उद्देश्य बेरोजगारी को संबोधित करना है। इस योजना के माध्यम से, युवाओं को सरकार द्वारा प्रदान किए गए वजीफे के साथ कारखानों में प्रशिक्षुता प्राप्त होगी, जो बेरोजगारी से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बसपा की कार्यकारिणी की बैठक में महिला ने मारा सांसद को थप्पड़, लोग हैरान

मुंबई । महाराष्ट्र कार्यकारिणी की बैठक में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सांसद को थप्पड़ मारने का मामला सामने आया । महिला कार्यकर्ता ने बसपा सांसद रामजी गौतम को बैठक के बीच में थप्पड़ जड़ दिया । यह घटना बुधवार को दादर में हुई । बसपा के राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को महाराष्ट्र कार्यकारिणी की बैठक में एक महिला कार्यकता ने मंच पर थप्पड़ मार दिया । महिला का नाम नीमा मोहारकर है, जो भंडारा की रहने वाली है, उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है साथ ही उसे पार्टी से भी निकाल दिया गया है । बताया जा रहा है कि वह हाल ही में हुए संसदीय चुनाव में उसे भंडारा-गोंडिया से टिकट नहीं दिया गया था, जिसे कारण वह नाराज थी । हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में टिकट बंटवारे की वजह से कार्यकर्ता उनसे काफी नाराज हैं । इस दौरान महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुनील डोंगरे को भी हटाने के नारे लगाए गए । इस घटना का वीडियो वायरल हो गया है जिसमें देखा जा सकता है कि बैठक के दौरान मंच पर सांसद समेत गणमान्य लोगों से एक-एक कर कार्यकर्ता मिल रहे हैं । इस बीच यह महिला कार्यकर्ता भी मंच पर पहुंची और सांसद को थप्पड़ जड़ दिया । इस घटना से सभी हैरान हो गए । अभी इस मामले पर आधिकारिक तौर पर किसी की प्रतिक्रिया नहीं आई है । रामजी गौतम यूपी के लखीमपुर (खीरी) के रहने वाले हैं । 1980 के दशक के आसपास वह बसपा में शामिल हुए थे । पार्टी ने उन्हें बांदा का कोऑर्डिनेटर बना दिया । बाद में कई जिलों की भी जिम्मेदारी सौंपी ।

हाथरस भगदड़ पर सामने आया भोले बाबा का बयान

'होनी को कौन टाल सकता है, जो आया है उसे जाना ही है...',

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। स्वयंभू धर्मगुरु सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा का हाथरस कांड को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। हाथरस में भोले बाबा का ही सत्संग था जहां भगदड़ के बाद 121 भक्तों की मौत हो गई थी। घटना पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए बाबा ने कहा कि वह 2 जुलाई की घटना के बाद से उदास हैं, उसे कौन रोक सकता है जो होना ही है। उन्होंने कहा कि 2 जुलाई की घटना के बाद से मैं दुखी और उदास हूं, लेकिन जो होना तय है उसे कौन रोक सकता है। जो आया है उसे एक न एक दिन जाना ही है।

भोले बाबा ने आगे कहा कि अधिवक्ता डॉ. एपी सिंह और प्रत्यक्षदर्शियों ने हमें जहरीले स्प्रे के बारे में जो बताया, उसके अनुसार यह सच है कि इसमें जरूर कोई साजिश है। उनके वकील ने बुधवार को बताया कि भोले बाबा कासगंज के बहादुर नगर गांव स्थित अपने आश्रम पहुंच गए हैं। भोले बाबा के वकील एपी सिंह ने कासगंज में संवाददाताओं से कहा, ÷वह अपने आश्रम पहुंच गए हैं और यहीं रहेंगे। वह अपने दूसरे आश्रम से यहां आए हैं। वह कभी किसी के घर, किसी होटल या किसी अन्य देश में नहीं थे।÷

उत्तर प्रदेश सरकार ने घटना की जांच के लिए एक एसआईटी और एक न्यायिक आयोग का गठन किया है। हालांकि, सिकंदरराऊ पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में बाबा को आरोपी के रूप में उल्लेखित नहीं किया गया था। एसआईटी ने 9 जुलाई को राज्य सरकार को सौंपी अपनी रिपोर्ट में भगदड़ के पीछे 'बड़ी साजिश' से इनकार नहीं किया है. रिपोर्ट में स्थानीय प्रशासन की ओर से हुई चूक का भी जिक्र किया गया है, जिसके कारण भगदड़ मची।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में घटना के लिए आयोजकों को जिम्मेदार ठहराया गया है और दावा किया गया है कि उन्होंने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए इंतजाम नहीं किए और प्रशासन की जिम्मेदारी भी तय की है। भोले बाबा के वकील ने 6 जुलाई को दावा किया था कि 'कुछ अज्ञात लोगों' द्वारा 'कुछ जहरीला पदार्थ' छिड़कने से भगदड़ मच गई।

भाजपा की दो टूक, भाषा की मर्यादा की सीमा ना लांघे राहुल गांधी

-लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने पर परिपक्वता दिखाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए जानलेवा हमले का ज़िक्र कर आरोप लगाया है कि भारत में कांग्रेस पार्टी के नेता लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हिंसा के लिए उकसाने वाली भाषा का प्रयोग कर देश में ऐसा ही माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2007 में कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए मौत का सौदागर जैसे शब्द इस्तेमाल करने का आरोप लगाकर इतना तक कहा कि देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या करने करने वाली कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तक के लिए भी भाजपा ने कभी मौत जैसे शब्द का प्रयोग नहीं किया था।

मीडिया को संबोधित कर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता त्रिवेदी ने कहा कि मामला दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काफी संवेदनशील है। देश के एक वरिष्ठ सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी ने एक प्रमुख अंग्रेजी समाचार पत्र में लेख लिखकर, वर्तमान समय में विश्व में सुरक्षा को लेकर हो रही गतिविधियों और भारत पर उसके पड़ने वाले प्रभाव की ओर ध्यान आकृष्ट किया है। भाजपा नेता त्रिवेदी ने कहा कि यह सभी को मालूम है कि एक-डेढ़ वर्ष पहले जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की एक राजनीतिक कार्यक्रम में हत्या कर दी गई थी। कुछ दिन पहले अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास किया गया।

त्रिवेदी ने राहुल गांधी सहित कांग्रेस नेताओं को हिंसा और हत्या जैसे शब्दों का प्रयोग बंद करने की नसीहत देकर कहा कि दुनिया में इसके उदाहरण दिख रहे हैं, भारत में इसके परिणाम खतरनाक हो सकते हैं। अगर वे (राहुल गांधी) लोकसभा में विपक्ष के नेता बने हैं, उत्साह से उच्छृंखलता और उच्छृंखलता से उदंडता की ओर नहीं जाएं बल्कि परिपक्वता का प्रदर्शन करें। हार के उत्साह से बाहर आकर उन्हें समझदारी का परिचय देना चाहिए। ये मोहब्बत की दुकान में हिंसा और हत्या जैसे शब्द कहां से आ रहे हैं ? उन्होंने कहा कि भाजपा ने कभी भी किसी भी राजनेता के लिए मौत की कामना नहीं की। पीएम मोदी के प्रति उनके (कांग्रेस नेताओं) मन में नफरत की भावना है, लेकिन इसके कारण उन्हें लोगों को उकसाना नहीं चाहिए। राजनीति अपनी जगह है लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और नेताओं की जान पर खतरे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। राहुल गांधी जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह बंद होनी चाहिए।

65 करोड़ रुपये का नहीं किया भुगतान, कांग्रेस शासित राज्य में 11 इंदिरा कैंटीनों ने भोजन परोसना किया बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। शहर के नागरिक निकाय द्वारा ठेकेदारों को बिलों का भुगतान न करने के कारण बेंगलुरु में कम से कम 11 इंदिरा कैंटीनों ने भोजन परोसना बंद कर दिया है। बुधवार रात से कैंटीनों ने खाना परोसना बंद कर दिया है। कैंटीनों में भोजन की आपूर्ति के लिए एक साल के लिए अनुबंधित कंपनी शेफ टॉक ने दावा किया कि बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) बिलों में लगभग 65 करोड़ रुपये का भुगतान करने में विफल रही है। शेफ टॉक ने कहा कि बिलों का निपटान करने के कई अनुरोधों के बावजूद, बीबीएमपी ने भुगतान नहीं किया है, जिसके कारण भोजन सेवाएं रोक दी गई हैं। बीबीएमपी आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने दावों को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया कि नागरिक निकाय के मार्शल द्वारा चिह्नित उपस्थिति ठेकेदार के दावों से मेल नहीं खाती।

गिरिनाथ ने कहा कि हमारे पास 198 वार्ड हैं और 184 कार्य कर रहे हैं। सात स्थानों पर, उन्होंने कभी संचालन नहीं किया। शेष स्थानों पर मोबाइल कैंटीन काम कर रही हैं, हालांकि तीन या चार काम नहीं कर रही हैं। एक ठेकेदार 65 करोड़ रुपये के लंबित भुगतान का दावा करते हुए अदालत चला गया है, जिसे हम स्वीकार नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमारे मार्शल द्वारा दर्ज की गई उपस्थिति उनके दावों से मेल नहीं खाती है। प्रभावित कैंटीन बसवनगुड़ी, पदमानभनगर, भैरसंद्रा, वीवी पुरम, सिद्दापुरा, होमबेगौड़ा नगर, जयानगर, विद्यापीठ, ईजीपुरा और अदुगोडी वार्ड में हैं।

सात साल पहले स्वतंत्रता दिवस पर सिद्धारमैया सरकार द्वारा शुरू की गई इंदिरा कैंटीन का उद्देश्य गरीबों को किफायती भोजन उपलब्ध कराना है। मार्च में सिद्धारमैया ने बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिसर में एक इंदिरा कैंटीन का उद्घाटन करते हुए कहा था कि सरकार राज्य भर में 188 नई कैंटीन स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

यूपी बीजेपी में अंदरूनी कलह पर अखिलेश बोले-100 विधायक लाओ, सरकार बनाओ

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद यूपी बीजेपी में अंदरूनी कलह देखने को मिल रही है, जिसको लेकर लखनऊ से दिल्ली तक बैठकों का दौर जारी है। बीजेपी में मची इस कलह के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मानसून ऑफर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- 100 लाओ, सरकार बनाओ।

ऐसा नहीं है कि अखिलेश यादव ने केशव प्रसाद मौर्य को पहली बार ऑफर दिया है। केशव मौर्य जब-जब बीजेपी से या नेताओं से नाराज होते हैं तब-तब अखिलेश ने उन्हें ऑफर देते है। अखिलेश ने कहा था कि वे आज भी 100 विधायक ले आएं तो सपा उन्हें सरकार बनाने में समर्थन करेगी। जब बीजेपी में अंदरूनी विवाद की खबर आई तो अखिलेश ने कहा था कि बीजेपी की कुर्सी की लड़ाई की गर्मी में उत्तरप्रदेश में शासन-प्रशासन ठंडे बस्ते में चला गया है। उन्होंने कहा था कि तोड़फोड़ की राजनीति का जो काम बीजेपी दूसरे दलों में करती थी, अब वही काम वह अपने दल के अंदर कर रही है। इसीलिए बीजेपी अंदरूनी कलह के दलदल में धंसती जा रही है। जनता के बारे में सोचने वाला बीजेपी में कोई नहीं है।

अखिलेश यादव के इस बयान पर डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा था कि देश और प्रदेश दोनों जगहों पर बीजेपी मजबूत संगठन और सरकार है। सपा का पीडीए धोखा है। उन्होंने दावा किया था कि यूपी में सपा के गुंडाराज की वापसी असंभव है और बीजेपी विधानसभा चुनाव में 2017 दोहराएगी।

बता दें हाल ही में बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हुई थी जिसमें बीजेपी नेताओं की कलह सामने आई। यहां डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा था कि संगठन सरकार से बड़ा है। कार्यकर्ताओं का दर्द मेरा दर्द है। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि अति आत्मविश्वास ने लोकसभा चुनावों में बीजेपी को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा था कि 2014 और उसके बाद के चुनावों में बीजेपी के पक्ष में जितने फीसदी वोट थे, बीजेपी 2024 में भी उतने ही वोट हासिल करने में सफल रही है, लेकिन वोटों की शिफ्टिंग और अति आत्मविश्वास ने हमारी उम्मीदों को नुकसान पहुंचाया है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने डिप्टी सीएम केशव मौर्य को दिल्ली बुलाया था। सूत्रों की मानें तो उनसे कहा गया है कि यूपी में सरकार और संगठन साथ-साथ काम करे, इस पर काम करना चाहिए और ऐसी कोई बयानबाजी नहीं हो, जिससे जनता में मैसेज जाए कि हमारे अंदर अंदरूनी कलह है उनके साथ यूपी बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को भी दिल्ली तलब किया गया था। चौधरी ने यूपी में हार की समीक्षा पार्टी नेतृत्व को सौंप दी है। 15 पेजों की रिपोर्ट में उन्होंने यूपी में पार्टी की हार के कारण बताए हैं। बीजेपी का फोकस अब यूपी में होने वाले 10 सीटों के उपचुनाव पर है। पार्टी इसके लिए तैयारियों में जुटी है। इसके लिए सीएम योगी ने उन कैबिनेट मंत्रियों की बैठक बुलाई थी, जिन्हें इन विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। इसमें उपचुनाव को लेकर तैयारियों की चर्चा की गई थी।

'विकास को कोई अंत नहीं, बहुत कुछ हुआ है, बहुत बाकी है', मोहन भागवत का बड़ा बयान

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा, ÷मनुष्यों के बाद, कुछ लोग सुपरमैन बनना चाहते हैं, फिर वे 'देवता', फिर 'भगवान' और फिर 'विश्वरूप' बनना चाहते हैं।' भागवत ने झारखंड के गुमला में एक गैर-लाभकारी संगठन विकास भारती द्वारा आयोजित ग्राम-स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि क्या प्रगति का कभी कोई अंत होता है?... जब हम अपने लक्ष्य तक पहुंचते हैं, तो हम देखते हैं कि अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है।

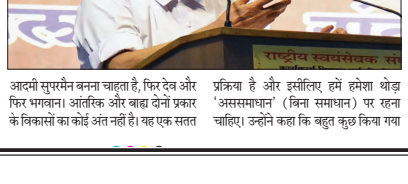

मोहन भागवत ने आगे कहा कि एक आदमी सुपरमैन बनना चाहता है, फिर देव और फिर भगवान। आंतरिक और बाह्य दोनों प्रकार के विकासों का कोई अंत नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है और इसीलिए हमें हमेशा थोड़ा 'अससमाधान' (बिना समाधान) पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहुत कुछ किया गया है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ बाकी है। एक कार्यकर्ता को यह सोचना चाहिए कि उसने बहुत कुछ किया है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ बाकी है क्योंकि और अधिक करने की गुंजाइश हमेशा रहती है... समाधान तभी निकलेगा जब लगातार विकास होता रहेगा।

उन्होंने कहा, 'देश के भविष्य को लेकर कोई संदेह नहीं है, अच्छी चीजें होनी चाहिए, इसके लिए सभी काम कर रहे हैं, हम भी प्रयास कर रहे हैं...' आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत के लोगों का अपना स्वभाव है और कई लोग बिना किसी नाम या प्रसिद्धि की इच्छा के देश के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पूजा की शैलियां अलग-अलग हैं क्योंकि हमारे यहां 33 करोड़ देवी-देवता हैं और यहां 3,800 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं और यहां तक कि खान-पान की आदतें भी अलग-अलग हैं। भिन्नता के बावजूद हमारा मन एक है और दूसरे देशों में नहीं पाया जा सकता।

भागवत ने कहा कि इन दिनों तथाकथित प्रगतिशील लोग उस समाज को वापस लौटाने में विश्वास करते हैं जो भारतीय संस्कृति में निहित है। उन्होंने कहा, ÷यह शास्त्रों में कहीं नहीं लिखा है लेकिन पीढ़ी दर पीढ़ी यह हमारे स्वभाव में है।÷ उन्होंने ग्राम कार्यकर्ताओं से समाज के कल्याण के लिए अथक प्रयास करने का भी आग्रह किया।

अमेरिकी सेना गाजा से हटाएगी.... मानव निर्मित तैरता हुआ घाट

वाशिंगटन । गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए अमेरिकी सेना द्वारा निर्मित तैरते घाट को हटाकर वापस लाया जाएगा। इस घाट को मौसम और सुरक्षा संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ा, इसकारण फलस्तीनियों तक भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर असर पड़ा। आलोचकों का कहना है कि यह घाट 23 करोड़ अमेरिकी डॉलर की लागत वाली बेकार कवायद थी, जो आसन्न अकाल को रोकने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने में विफल रही। हालांकि, अमेरिकी सेना ने बताया कि परियोजना के द्वारा फलस्तीनियों को करीब दो करोड़ पौंड (90 लाख किलोग्राम) की अत्यंत आवश्यक आपूर्ति पहुंचाई। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने 'स्टेट ऑफ द यूनियन' भाषण के दौरान घाट के निर्माण की घोषणा की थी। उन्होंने इस पर निराशा व्यक्त की कि घाट उम्मीद के मुताबिक फायदेमंद नहीं रहा। यह घाट 16 मई को स्थापना के बाद 25 दिनों से भी कम समय तक संचालित हुआ और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण सहायता एजेंसियां इसका उपयोग केवल आधे समय कर सकी।

चीन के डिपार्टमेंट स्टोर में आग...16 लोगों की मौत

चेंगदू। चीन के सिचुआन प्रांत के जिगोंग शहर में एक डिपार्टमेंट स्टोर में आग लगने से मरने वालों की संख्या गुरुवार सुबह बढ़कर 16 हो गई। अग्निशमन और बचाव मुख्यालय ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि शहर के हाई-टेक ज़ोन में स्थित 14 मंजिला इमारत में आग लगने की सूचना शाम करीब छह बजे मिली और घटनास्थल पर काफी मात्रा में घना धुआँ था।

राफा क्रॉसिंग को फिर खोलने के लिए क्यों तैयार नहीं हुआ फिलिस्तीन

रामल्लाह। फिलिस्तीन ने इजरायल की वापसी के बिना राफा क्रॉसिंग को फिर से खोलने के प्रस्ताव को खारिज किया है। सूत्र के अनुसार पिछले सप्ताह मिस्र और गाज़ा पट्टी के बीच राफा सीमा क्रॉसिंग के संचालन की संभावना का पता लगाने के लिए फिलिस्तीन, अमेरिका और इजरायल के प्रतिनिधियों की एक बैठक हुई थी। सूत्र ने कहा कि इजरायली पक्ष ने प्रस्ताव दिया कि छह फिलिस्तीनी कर्मचारी बिना वर्दी या पुलिस के और फिलिस्तीनी झंडा फहराए बिना क्रॉसिंग के प्रबंधन में भाग लें। सूत्र ने बताया कि प्रस्ताव को इसलिए खारिज किया, क्योंकि इसका उद्देश्य फिलिस्तीनी संप्रभुता के बिना अस्थायी रूप से क्रॉसिंग को खोलना था जो फिलिस्तीनी स्थिति और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के विपरीत है। सूत्र के अनुसार फिलिस्तीनी रुख राफा क्रॉसिंग पर 2005 के समझौते के अनुरूप है जिसके लिए फिलिस्तीनी संप्रभुता, यूरोपीय भागीदारी और क्रॉसिंग से इजरायल की पूरी तरह वापसी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इजरायल-अमेरिका के प्रस्ताव को फिलिस्तीनियों द्वारा खारिज किए जाने के बाद बैठक समाप्त हो गई और बैठक के बाद कोई और बातचीत नहीं हुई।

बैंकॉक घूमने गए 6 विदेशी मेहमानों की मौत, पुलिस को शक, सभी लोगों की मौत साइनाइड से हुई

बैंकॉक। बैंकॉक घूमने गए 6 विदेशी मेहमानों की मौत हो गई। इन दोस्तों ने फाइव स्टार होटल में कमरा बुक किया था लेकिन कुछ ही घंटों बाद उनकी मौत हो गई। ब्लड टेस्ट रिपोर्ट ने सभी छह लोगों की मौत का राज आखिरकार सामने आ गया। थाई पुलिस ने कहा, सभी लोगों की मौत शायद साइनाइड से हुई। इन्हीं में से एक शख्स ने शायद सबको जहर दिया था। थाईलैंड की पुलिस ने कहा, इन लोगों ने जिन गिलासों से पानी पीया, उसमें साइनाइड पाया गया। इनके परिजनों से बातचीत करने पर पता चला कि कर्जों को लेकर इनके बीच काफी विवाद था। मरने वालों में 6 वियतनाम के रहने वाले थे, जिनके पास अमेरिकी पासपोर्ट भी था। बैंकॉक के पुलिस प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल थिति सांगसावांग ने मृतकों की पहचान दो वियतनामी अमेरिकियों और चार वियतनामी नागरिकों के रूप में की। मृतकों में तीन पुरुष और तीन महिलाएं थीं। जांच टीम ने बताया कि जब इन शवों को देखा गया तो इनके मुंह से झाग निकल रहा था। इनके लिए बैंकॉक के मशहूर ग्रैंड हयात इरावन होटल में सात नाम से कई कमरे बुक किए गए थे। इनमें से कुछ लोग उस कमरे से अलग मंजिल पर रह रहे थे, जहां वे मृत पाए गए। पुलिस ने कहा, अभी हम उस सातवें शख्स की तलाश कर रहे हैं, जिसके नाम से बुकिंग की गई थी। जिस कमरे में शव मिले हैं, वहां रहने वाले लोगों ने मंगलवार को पहले ही चेक आउट कर लिया था और उनका सामान पहले ही पैक कर दिया गया था। चेकआउट की जानकारी मिलने के बाद दोपहर में जब साफ सफाई करने महिला कर्मी पहुंची, तो देखा कि कमरा अंदर से बंद था। पहले से जो खाना ऑर्डर किया गया था, वह यूं ही पड़ा हुआ था। उसे किसी ने छुआ तक नहीं था। हालांकि, ड्रिंक्स पी ली गई थीं।

जिगोंग में शॉपिंग सेंटर में लगी आग, 16 की मौत, कई लापता

जिगोंग। चीन के दक्षिण पश्चिम शहर जिगोंग के एक शॉपिंग सेंटर में आग लगने से 16 लोगों की मौत हो गई है। यह घटना बुधवार शाम 6 बजे के बाद एक 14 मंजिला कॉमर्शियल बिल्डिंग में हुई।आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और बचाव कर्मियों की टीम मौके पर पहुंची। बचाव कार्य रात भर जारी रहा, जिसमें सुबह 3 बजे तक लोग बाहर निकालने की कोशिश की गई। आग लगने के कारण इमारत के निचले हिस्से में धुआं भर गया, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आग किस कारण से लगी और आग लगने के समय बिल्डिंग में कितने लोग मौजूद थे। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि आग लगने का कारण कंस्ट्रक्शन का काम हो सकता है, लेकिन इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। घटना की जांच की जा रही है ताकि सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। यह घटना चीन में आग से संबंधित बढ़ती घटनाओं का एक हिस्सा है। 20 मई तक, देश में आग लगने के कारण 947 लोगों की मौत हो चुकी है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। राष्ट्रीय अग्नि और बचाव प्रशासन के प्रवक्ता के अनुसार, सार्वजनिक स्थानों जैसे होटल और रेस्तरां में आग लगने की घटनाओं में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके पीछे आमतौर पर बिजली या गैस लाइनों में खराबी और लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इस घटना ने एक बार फिर से आग की सुरक्षा के मुद्दे को उजागर किया है। लोगों की सुरक्षा और बचाव कार्य की तत्परता के लिए आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता है।

डियर हसबैंड आप किसी गैर के साथ व्यस्त हैं, इसलिए तलाक, तलाक, तलाक, दुबई की राजकुमारी ने इंस्टाग्राम पर की पोस्ट, तोड़ लिया पति से रिश्ता

दुबई। यहां की राजकुमारी शेखा महरा बिंत मोहम्मद बिन राशिद अल मख्तूम उर्फ शेखा महरा ने अपने पति को तलाक देने की घोषणा की है। शेखा महरा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कहा कि डियर हसबैंड आप किसी गैर के साथ व्यस्त हैं, ऐसे में मैं आपको तलाक देती हूं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में संभवत- यह पहला मौका है जब रॉयल फैमिली के किसी सदस्य ने इस तरह से तलाक का ऐलान किया है। राजकुमार महरा के इंस्टाग्राम पोस्ट से खलबली मच गई। लोगों को लगा कि किसी ने शेखा महरा के इंस्टा अकाउंट को हैक कर लिया। हालांकि, बाद में इस बात की पुष्टि हो गई कि उन्होंने सच में पति से रिश्ते तोड़ने का ऐलान किया है। राजकुमारी शेखा महरा की ओर से इंस्टाग्राम पर किए गए पोस्ट से पति के साथ उनकी तल्खी का अंदाजा लगाया जा सकता है।

यूक्रेन में लोग हादसे का शिकार हुए मलेशियाई विमान में मारे गये लोगों की याद में झंडे लेकर स्मारक पर पहुंचे। ये हादसा दस साल पहले हुआ था।

एक बार फिर कोविड से संक्रमित हुए बाइडन, चुनाव प्रचार पर पड़ेगा असर

वॉशिंगटन। अमेरिका में इन दिनों राष्ट्रपति के चुनाव चल रहे है। यहां दो उम्मीदवारों के बीच मेन मुकाबला है। एक राष्ट्रपति जो बाइडन हैं तो दूसरे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप है। बाइडन एक बार फिर कोविड-19 से संक्रमित हो गए हैं। हालांकि, उनमें संक्रमण के 'हल्के लक्षण' हैं। व्हाइट हाउस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने एक बयान में कहा,

''आज लास वेगास में अपने पहले कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति बाइडन के कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उन्हें कोविड-19 रोधी टीका लगा हुआ है और उन्होंने बूस्टर डोज भी ले रखी है। उनमें हल्के लक्षण नजर आ रहे हैं। बाइडन डेलावेयर लौटेंगे, जहां वह एकांतवास में रहेंगे। हालांकि, इस दौरान वह अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे। प्रेस सचिव ने कहा कि व्हाइट हाउस राष्ट्रपति की स्थिति के बारे में नियमित जानकारी उपलब्ध कराता रहेगा, क्योंकि वह एकांतवास में रहते हुए भी अपने कार्यालय के दायित्वों का निर्वहन जारी रखेंगे। राष्ट्रपति का बुधवार दोपहर लास वेगास में यूनीडोस कार्यक्रम में अभिभाषण था। व्हाइट हाउस ने कहा, ''बाइडन में हल्के लक्षण हैं। उनकी श्वसन दर 16, शरीर का तापमान 97.8 डिग्री फारेनहाइट और पल्स ऑक्सीमेट्री 97 प्रतिशत है, जिसे सामान्य माना जाता है। राष्ट्रपति को पैक्सलोविड की पहली खुराक दे दी गई है। वह रेहोबोथ में अपने आवास पर एकांतवास में रहेंगे।

भारत-इजरायल आमने-सामने, अजरबैजान ने निकाला LORA, अब प्रलय लाने की तैयारी में आर्मेनिया

मिलवाउकी (एजेंसी)। आर्मेनिया और अजरबैजान दुनिया के नक्शे में दो छोटे से देश हैं। मगर इसमें एक तरफ से एक ईसाई देश आर्मीनिया है तो उसके ठीक सामने खड़ा है एक इस्लामिक मुल्क अजरबैजान। ये वो ठिकाना है जहां यूरोप और एशिया मिलते हैं। दोनों की सेनाओं के बीच अक्सर संघर्ष होता रहता है। इस बीच खबर है कि अजरबैजान ने आर्मेनिया के खिलाफ इजरायल की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज की ओर से विकसित लॉन्ग रेंज आर्टिलरी यानी LORA मिसाइल तैनात कर दिया है। अजरबैजान के इस कदम ने आर्मेनिया को परेशान कर दिया है। अब आर्मेनिया की नजर भारत की प्रलय मिसाइल पर है। भारत की प्रलय मिसाइल हासिल करने में आर्मेनिया की कथित दिलचस्पी भारत के लिए एक बड़ा अवसर है। ब्रह्मोस मिसाइल के निर्यात के बाद प्रलय निर्यात अनुबंध संभवतः मिसाइल निर्यातक के रूप में डीआरडीओ की छवि को मजबूत करेगा।

डीआरडीओ ने दशकों के निरंतर प्रयास के माध्यम से सभी प्रकार की मिसाइलों को विकसित करने की क्षमता हासिल कर ली है, और अब इस कड़ी मेहनत से हासिल की गई क्षमता का लाभ उठाने का समय आ गया है। यह देखते हुए कि प्रलय मिसाइल में स्वदेशी सामग्री का प्रतिशत फिलीपींस को निर्यात किए गए ब्रह्मोस संस्करण में स्वदेशी सामग्री के प्रतिशत से बहुत अधिक होगा, भारत की प्रति मिसाइल कमाई बहुत अधिक होगी। आर्मेनिया इज़राइल एयरोस्पेस

इंडस्ट्रीज द्वारा विकसित LORA (लॉन्ग रेंज आर्टिलरी) बैलिस्टिक मिसाइलों की खरीद के माध्यम से अजरबैजान द्वारा हासिल की गई क्षमता का मुकाबला करने के लिए प्रलय का अधिग्रहण करना चाहता है।

LORAएक थिएटर अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल है जिसकी रेंज 400 किलोमीटर है और टर्मिनल मार्गदर्शन के लिए जीपीएस और टीवी के संयोजन का उपयोग करते समय 10 मीटर की सीईपी (सर्कुलर एरर प्रोबेबिलिटी) होती है। प्रलय एक मोबाइल कनस्तर-आधारित सतह से सतह पर मार करने वाली एसआरबीएम (छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल) है जिसकी मारक क्षमता 150-500 किमी है। इसे डीआरडीओ की बीएमडी प्रणाली की पृथ्वी एडी मिसाइल से विकसित किया गया था। मिसाइल जड़त्वीय मार्गदर्शन का उपयोग करके अपने लक्ष्य तक पहुंचती है। इसे पूरी उड़ान के दौरान नियंत्रित किया जा सकता है।

प्रलय में टर्मिनल मार्गदर्शन के लिए एक रेडियो फ्रीक्वेंसी (डीएसएमएसी-डिजिटल दृश्य-मिलान क्षेत्र सहसंबंध) साधक की सुविधा है। यह मिसाइल स्वदेशी रूप से विकसित फ्यूज्ड सिलिका रडार डोम (रेडोम) से सुसज्जित है। प्रलय में टर्मिनल मार्गदर्शन के लिए एक रेडियो फ्रीक्वेंसी साधक की सुविधा है। इस मिसाइल में स्वदेशी रूप से विकसित फ्यूज्ड सिलिका रडार डोम लगा है।

ट्रम्प पर हमले की बाबा वेंगा ने की थी भविष्यवाणी, पुतिन का भी किया जिक्र

वाशिंगटन (एजेंसी)। बुल्गारिया के बाबा वेंगा की भविष्यवाणी काफी प्रसिद्ध हैं। इनकी कई भविष्यवाणियां सच साबित हो चुकी हैं। बाबा वेंगा नेत्रहीन थे। बताया जाता है जब वह 12 साल के थे तब उनकी आंखे खराब हो गई थी लेकिन उन्हें दिव्य दृष्टि प्राप्त हुई, जिससे उन्होंने कुछ सालों ही नहीं बल्कि 5079 साल तक की भविष्यवाणियां कर दी थी।

साल 2024 के लिए भी बाबा वेंगा ने कई डराने वाले भविष्यवाणियां की, जिनमें कुछ सच साबित होती नजर आ रही है। हाल ही में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर चुनावी रैली में जानलेवा हमला हुआ। ट्रंप पर गोली चलाकर उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई थी। हालांकि वह इस हमले में बाल-बाल बच गए।

ट्रंप पर हमले के बाद बाबा वेंगा की भविष्यवाणी भी चर्चा में आ गई. क्योंकि बाबा वेंगा ने पहले ही ट्रंप पर हमले की भविष्यवाणी की थी। 2024 के लिए बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति की जान खतरे में रहेगी। इसके साथ ही बाबा वेंगा ने ट्रंप को लेकर भविष्यवाणी की थी कि ट्रंप को कोई गंभीर और रहस्यमय बीमारी हो सकती है, जिससे वह बहरे भी हो सकते हैं। हाल ही में जब ट्रंप पर गोली चली तो चौंकाने वाली बात यह रही कि हमले के दौरान उनकी जान तो बच गई लेकिन गोली लगने से उनके कान को नुकसान हुआ है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर भी बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी। बाबा वेंगा के मुताबिक पुतिन की मृत्यु हो सकती है। कथित तौर पर उनकी मृत्यु का कारण हत्या बताया है। बाबा वेंगा की भविष्यवाणियां एक ओर जहां लोगों का आकर्षित करती है तो वहीं दूसरी ओर संदेह भी पैदा करती हैं क्योंकि उनकी कई भविष्यवाणियां सच साबित हो चुकी हैं, जिसमें 9/11 के हमले और कुर्स्क पनडुब्बी घटना, 2004 में सुनामी आदि हैं. लेकिन ऐसी कई भविष्यवाणियां भी हैं जो सच साबित नहीं हुईं। जैसे 2016 में यूरोप का अंत, 2010-14 के बीच परमाणु युद्ध आदि।

स्वास्थ्य संबंधी समस्या होगी तब ही लूंगा राष्ट्रपति चुनाव से नाम वापसः बाइडन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन राष्ट्रपति चुनाव में अपनी दावेदारी को वापस लेने की अटकलों को नकारते रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से उनकी पार्टी के ही सांसदों ने उन्हें अपना नाम वापस लेने की सलाह दी है। इस बीच अब बाइडेन ने कहा है कि वह अपनी दावेदारी तभी वापस लेंगे जब उन्हें कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या होगी। यह पहली बार है जब बाइडेन ने पिछले महीने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ बहस में अपने खराब प्रदर्शन के बाद अपनी दावेदारी वापस लेने की बात की है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक 81 वर्षीय बाइडेन से पूछा गया कि क्या ऐसा कुछ हो सकता है जिससे वह 2024 नवंबर में होने वाले चुनाव से अपना नाम वापस ले लें तो बाइडेन ने कहा, अगर मेरी स्वास्थ्य संबंधी समस्या सामने आती है। डॉक्टर मेरे पास आते हैं और कहते हैं कि आपको बड़ी समस्या है। हालांकि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यह साफ नहीं किया कि वह किस तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्या की बात कर रहे हैं। बाइडेन ने इससे पहले कई बार कहा है कि वह दूसरा कार्यकाल पूरा करने के लिए स्वस्थ और तंदुरुस्त हैं। वह ट्रम्प को हराने के लिए सबसे उपयुक्त दावेदार हैं। वह बार-बार इस बात पर जोर दे रहे हैं क्योंकि पिछले कुछ दिनों से उनके उम्र और मानसिक स्वास्थ्य पर लगातार बहस चल रही है। बाइडेन ने यह भी कहा कि वह 2020 के चुनाव में ट्रांजिशनल उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े थे और उन्हें उम्मीद थी कि वह अपने से कम उम्र के किसी और को इस बार यह जिम्मेदारी सौंपेंगे लेकिन मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए उन्होंने फिर से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि उम्र बढ़ने के साथ थोड़ी सी समझदारी ही आती है। उन्होंने अपनी योग्यता साबित कर दी है कि वे देश के लिए काम कर सकते हैं।

अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान बाइडेन ने तीन बार फिजिकल एग्जामिनेशन करवाए हैं जिनमें न्यूरोलॉजिकल जांच भी शामिल है। इस बीच अमेरिकी प्रतिनिधि एडम शिफ बाइडेन से फिर से चुनाव ना लड़ने की मांग करने वाले सबसे हाई-प्रोफाइल हाउस डेमोक्रेट बन गए हैं। उन्होंने चिंताओं का हवाला देते हुए कहा कि बाइडेन पांच नवंबर के चुनाव में ट्रम्प को नहीं हरा पाएंगे। इस महीने की शुरुआत में तीन में से एक डेमोक्रेट या 32 प्रतिशत सांसदों ने कहा था कि बाइडेन को इस रेस से हट जाना चाहिए।

बांग्लादेश में आरक्षण खत्म करने को लेकर पुलिस-छात्रों में झड़प, 6 की मौत, सैकड़ों घायल

लास वेगास (एजेंसी)। ढाका,(ईएमएस)। भारत ही नहीं उसके पड़ोसी देश में भी आरक्षण को लेकर बवाला मचा है। बांग्लादेश में आरक्षण की वजह से हुए हंगामे में अब तक कम से कम छह लोगों की जान चली गई है। बांग्लादेश में हजारों छात्र सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं और आरक्षण खत्म करने की मांग कर रहे हैं। इस प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस और छात्रों के बीच हुई झड़प में छह लोगों की जान चली गई. वहीं, 400 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबक बुधवार शाम ढाका में आंदोलन शुरू हुआ था। इस बीच छात्रों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई इसमें एक बच्चे समेत छह लोगों को गोली लगी है। छात्रों ने सुरक्षा बलों की

कार्रवाई का जवाब देने के लिए गुरुवार को देशव्यापी बंद का आह्वान किया है।

छात्र नेताओं ने कहा है कि गुरुवार को हॉस्पिटल और आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर सब कुछ बंद रहेगा। इस दौरान सिर्फ एम्बुलेंस को ही सड़कों पर निकलने की छूट रहेगी। वहीं, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हिंसा में लोगों के मारे जाने पर गहरा दुख जताया और कहा कि इस मामले में एक न्यायिक जांच समिति गठित की जाएगी। दरअसल, बांग्लादेश में ये विरोध आरक्षण खत्म करने के लिए हो रहा है। छात्र 1971 के युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों के बच्चों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण खत्म करने की मांग कर रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो एक हफ्ते पहले ही बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने इस आरक्षण पर रोक लगा दी थी लेकिन पीएम शेख हसीना ने इसे लागू नहीं होने दिया। इसको लेकर ही छात्र हंगामा कर रहे हैं। वहीं शेख हसीना का कहना है कि ये फैसला उनके हाथों में है। बांग्लादेश में 30फीसदी नौकरियां वॉर हीरो के बच्चों के लिए रिजर्व हैं। इसी के खिलाफ छात्रों का गुस्सा भड़का है, क्योंकि छात्र मेरिट के आधार पर नौकरियों की मांग कर रहे हैं। वहीं, पीएम शेख हसीना ने कहा कि इन छात्रों को भड़काया गया है। इसके लिए उन्होंने कुछ स्वार्थी तत्वों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने छात्रों से अपील की है कि वे उग्रदियों को स्थिति का फायदा उठाने का मौका न दें।

हिजबुल्ला की धमकी, इजराइल नागरिकों की हत्या करना बंद करे नहीं तो मचा देंगे तबाही

तेल अवीव। गाजा में इजरायल और हमास का युद्ध जारी है। इस बीच हिजबुल्ला के नेता हसन नसरल्लाह ने इजरायल को धमकी दी है कि अगर इजरायल लेबनान में नागरिकों की हत्या करना बंद नहीं करेगा तो वह नए इजरायली ठिकानों पर हमला करेगा और तबाही मचा देंगे। नसरल्लाह ने हाल के दिनों में लेबनान में मारे गए नागरिकों को बढ़ती संख्या को बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को लेबनान में इजरायली हमलों में पांच नागरिक मारे गए, जिनमें सभी सीरियाई थे और इसमें तीन बच्चे भी शामिल थे। इससे एक दिन पहले कम से कम तीन लेबनानी नागरिक मारे गए थे। नसरल्लाह ने मुहर्रम के मौके पर टीवी पर संबोधन दिया था। इसमें नसरल्लाह ने कहा कि इजराइल नागरिकों को निशाना बनाना जारी रखने से हिजबुल्लाह उन बस्तियों पर मिसाइल लॉन्च करने को मजबूर हो जाएगा, जिन्हें पहले निशाना नहीं बनाया गया था। ईरान के समर्थन वाला संगठन हिजबुल्लाह इजरायली आबादी वाले इलाके को बस्ती के रूप में संदर्भित करता है और इजरायल को मान्यता नहीं देता है। ईरान के समर्थन वाले गुट तब से इजरायल के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक लेबनान में लड़ाई में 100 से ज्यादा नागरिक और 300 से ज्यादा हिजबुल्लाह लड़ाके मारे गए हैं। नसरल्लाह ने वादा किया कि पूरी तरह से या आंशिक

चीनी वायुसेना ने किया ये कारनामा....भारत और अमेरिका चिंतित

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिका को चुनौती देने की राष्ट्रपति शी जिनपिंग की योजना को साकार करने के लिए चीन की पीपल्स लिबलेरशन आर्मी (पीएलए) अपनी ताकत बढ़ाने जुटी है। इसके तहत पीएलए की एयर फोर्स ने पहली बार अपने परमाणु सक्षम शीआन एच-6के बमवर्षक विमानों को चार आधुनिक बॉयजे-21 हाइपरसोनिक मिसाइल से लैस करने का दावा किया है। मिसाइलों को दक्षिणी थिएटर कमांड की वायु सेना से जुड़ी एक रेजीमेंट से जुड़े एच-6के बॉम्बर पर तैनात देखा गया था। चीन के परमाणु बॉम्बर के हाइपरसोनिक मिसाइल से लैस होने के बाद अमेरिका और भारत दोनों की चिंता बढ़ने वाली है।

चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पीएलए के दक्षिणी थिएटर कमांड के अकाउंट से बताया गया है कि बॉम्बर ने कथित तौर पर देर रात के अभ्यास में हिस्सा लिया था। एच-6के बमवर्षक विमान इसके पहले सबसोनिक और सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों को ले जाने की क्षमता का प्रदर्शन कर चुका है। अब पहली बार बमवर्षक पर हवा से मार करने वाली हाइपरसोनिक मिसाइल तैनात की गई है।

हाइपरसोनिक मिसाइल की फ्लाइंग स्पीड मैक 6 है और यह मैक 10 की टर्मिनल स्पीड पर पहुंचती है। यह 1500 किलोमीटर की दूरी तक मार कर सकती है, जो इसकी लंबी दूरी की क्षमता को प्रदर्शित करती है। चीनी रक्षा एक्सपर्ट ने बताया कि चूंकि यह मिसाइल बॉम्बर एच-6के पर तैनात दूसरे हथियारों की तुलना में बड़ी और भारी है। इसके बाद यह अनुमान लगाया जा रहा था कि यह केवल दो मिसाइलों को ही ले जा पाएगा, लेकिन नई फोटो ने आशंकाओं को खारिज कर दिया है। एक्सपर्ट ने बताया कि एच-6के की नई तस्वीरों से पता चलता है कि बॉम्बर में पेलोड ले जाने की पर्याप्त क्षमता है और इसके पंखों में चार वाईजे-21 मिसाइलों को ले जाने की पर्याप्त क्षमता है।

संपादकीय

दर्द व बीमारी का मूल कारण – संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

हमारे सभी दुःखों और कष्टों का मूल कारण यह है कि हम प्रभु से दूर हो गए हैं। जब हम किसी से बात करते हैं या देखते हैं कि संसार में क्या हो रहा है, तब हम पाते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी प्रकार की समस्या है। किसी को शारीरिक समस्या है या किसी को आर्थिक समस्या है, किसी को भावनात्मक पीड़ा है तो किसी को संबंधों में समस्या होती है। जीवन की भिन्न-भिन्न गतिविधियों में से गुजर रहे लोगों को किसी न किसी प्रकार की समस्या होती ही है।

जब हम दूसरे लोगों से बात करते हैं, तब हम पाते हैं कि सभी को अपनी-अपनी परिस्थितियों के हिसाब से समस्या है, जिसमें कि हर एक व्यक्ति को अपनी समस्या हमेशा सबसे बड़ी लगती है। हमारे लिए यह समस्या शायद कुछ भी मायने न रखती हो किंतु संबंधित व्यक्ति के लिए एक बहुत बड़ी बात होती है और उस हल करने के लिए वह हर संभव प्रयास करता है।

जब जीवन की सभी कठिनाईयों का मूल कारण प्रभु से दूरी है तो हम ऐसा कौन सा कार्य करें जिससे कि वह दूरी खत्म हो जाए ताकि हमारे जीवन में कोई समस्या ही न रहे। जब हमारी आत्मा प्रभु से एकमेक हो जाती है, तभी ये दूरी मिटती है और फिर हमारे जीवन में कोई दुःख-दर्द और तकलीफ नहीं रहती और हम खुशी और आनंद की एक ऐसी अवस्था प्राप्त कर लेते हैं जो सदा-सदा रहने वाली है, जिसका कि कभी अंत नहीं होता।

जीवन में कई बार बहुत सारे ऐसे क्षण आते हैं जब हम अपने आपको खुशी और आनंद से भरा हुआ महसूस करते हैं और हमें लगता है कि सब कुछ अच्छा हो रहा है। मान लीजिये कि आप फुटबाल की टीम में हैं। यदि आपकी टीम जीतती है तब आपको बहुत अधिक खुशी और आनंद मिलता है। वह खुशी चाहे आधे घंटे, एक घंटे, दो या तीन घंटे की हो सकती है। खुशी की इस अवस्था में हम ऐसी किसी भी समस्या के बारे में नहीं सोचते जिसका हम सामना कर रहे होते हैं। चाहे हमें किसी ने चोट ही क्यों न पहुँचाई हो, तब हम उस दर्द के बारें में नहीं सोचते। क्यों? क्योंकि तब हम आनंद की अवस्था में होते है लेकिन कुछ क्षण बाद वह खुशी दूर हो जाती है। परंतु एक बार जब हम ध्यान-अभ्यास के द्वारा अपने अंतर में प्रभु की ज्योति और श्रुति से जुड़ते हैं तो हम अपने भीतर अनंत खुशी और शांति का अनुभव करते हैं जोकि हमेशा-हमेशा के लिए हमारे साथ रहती है।

तो आईये! हम सब ध्यान-अभ्यास में प्रतिदिन समय दें ताकि अपने अंतर में हम प्रभु से जुड़ सकें, जिनका कि हम अंश हैं। यदि हम ऐसा करेंगे तो हम देखेंगे कि हमारा जीवन सुख, शांति व प्रेम से भरपूर हो जाएगा।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

भारतीय परम्पराओं के अनुपालन से देश बढ़ रहा आगे

(लेखक-प्रहलाद सबनानी)

भारत जो किसी वक्त में सोने की चिड़िया रहा है जिसका किसी वक्त में वैश्विक अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान रहा है, उस भारत के गुलाम होने के बाद उसकी अर्थव्यवस्था को मुगलों ने एवं अंग्रेजों ने तहस-नहस किया है। भारत का सनातन चिंतन जितना अधिक शक्तिशाली था गुलामी के उस दौर में उस पर किए गए आक्रमण उसे कमजोर बनाने में कामयाब रहे। परंतु, अब समय आ गया है कि भारत के प्राचीन आर्थिक चिंतन को गंभीरता के साथ देखते हुए वर्तमान आर्थिक विकास की दृष्टि को उसके साथ सामंजस्य स्थापित करना चाहिए तभी जाकर आर्थिक विकास की दृष्टि से भारत के वैभवकाल को पुनः प्राप्त किया जा सकेगा।

भारत में प्राचीन ऋषियों और मनीषियों की परंपरा एक गृहस्थ परंपरा रही है और उस गृहस्थ परंपरा में आध्यात्म के साथ-साथ सामाजिक,राजनीतिक एवं आर्थिक चिंतन भी जुड़ा रहा है। अपने राज्य के ऋषियों के जीवन यापन की चिंता जहां राजा की प्राथमिकता में रहता था वहीं राजा को राज्य चलाने के लिए उचित मार्गदर्शन देने का सांस्कृतिक कार्य उन ऋषि-मुनियों द्वारा किया जाता था। इसलिए उन मनीषियों का चिंतन आर्थिक दिशा में भी सदैव बना रहता था। राजा अपने राज्य का विस्तार करने के साथ-साथ उसे आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध कैसे बनाएं इसके बारे में ऋषि-मुनियों के साथ बैठकर ही राज दरबार में चिंतन होता था और राज्य आर्थिक रूप से सशक्त बन जाते थे। इसलिए भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों एवं धार्मिक पर्यटन का भारत के आर्थिक विकास पर पूर्ण प्रभाव रहा है। प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों से अर्थव्यवस्था को बल मिलता रहा है इसलिए उस कालखंड में धार्मिक आयोजन निरंतर होते रहे हैं। भारत की ऋषि परंपरा ने जन सामान्य को उन सबके साथ जोड़ कर रखा था। त्यौहारों की निरंतरता और उन्हें मनाए जाने का उत्साह भारत की तत्कालीन अर्थव्यवस्था को गति देता रहा है। आज के वक्त में भी धार्मिक पर्यटन के चलते भारतीय पर्यटन उद्योग में रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। वर्तमान केंद्र सरकार के द्वारा भी पिछले 10 वर्षों में भारत में विभिन्न तीर्थस्थलों को विकसित किया जा रहा है। अभी तक जो तीर्थस्थल विकसित हो चुके हैं,वहां का पर्यटन एकदम से कई गुना बढ़ गया है। वहां की आर्थिक समृद्धि बढ़ गई है। वहां के लोगों का जीवन स्तर बढ़ गया है। वहां संपत्तियों के दाम बढ़ गए हैं। इसलिए इस दिशा में सरकार अब आगे और कार्य करने जा रही है तथा कई नवीन धार्मिक कारीडोर बनाने जा रही है,क्योंकि इससे रोजगार के लाखों नए अवसर उत्पन्न होंगे। भारत की कुटुंब व्यवस्था अपने आप में एक अनूठी कुटुंब व्यवस्था है। भारत के संयुक्त परिवार विश्व के लिए आश्चर्य का विषय रहे हैं। इन दिनों संयुक्त परिवार विघटित अवश्य होते जा रहे हैं,लेकिन बावजूद उसके आपातकाल में एक दूसरे के लिए सबके एकत्र होने की जो जिजीविषा उन सबके भीतर है वह भारत में कुटुंब व्यवस्था का अनूठा स्वरूप है, तथा यह स्वरूप देश की अर्थव्यवस्था को भी आगे बढ़ाने का काम करता है। एक परिवार में दो हाथ कमाने जाते हों और वहीं दस हाथ कमाने जाते हों, दोनों बातों का फर्क होता है। इसलिए कुटुंब व्यवस्था में एक दूसरे के लिए आपस में खड़े होने का जो व्यवहार होता है,वह व्यवहार आर्थिक चिंतन के साथ भी जुड़ कर परिवार को आगे बढ़ाने का काम करता है।

भारत में प्राचीन काल से पर्यावरण को पर्याप्त महत्व दिया जाता रहा है। देश में नदियां शुद्ध रहती थी वृक्ष घने जंगलों के रूप में रहते थे और पूरा पर्यावरण शुद्ध रहता था। पूरे विश्व में भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पर नदियों को,वृक्षों को,धरती को पूजा जाता है। पूरे पर्यावरण से परिवार का जुड़ाव धार्मिक रूप से रहता है। बहुत सारे व्रत और त्यौहार पर्यावरण से जुड़े हुए रहते हैं। इसलिए सनातन काल से भारत में पर्यावरण की चिंता रही है। जैविक विविधता ने भी भारत के सनातन काल को समृद्ध किया। पर्यावरण संरक्षण को उस समय में नैतिक कर्तव्य माना गया है। बाद में जब मुगलों ने भारत में शासन किया और हिंदुओं का धर्मांतरण किया तो बहुत सारी परंपराएं भी खंडित होने लगी। सनातन काल में जिस गौ माता को पूजा जाता था मुस्लिम उस गौ माता को खाने लगे। मुस्लिम शासन काल भारत के पतन और विखंडन का समय था। उनके बाद जब इस देश में अंग्रेज आ गए तो उनकी निगाह में भारतीय अपरिपक्व और मूर्ख रहे इन दोनों के समय में, मुगलों ने और अंग्रेजों ने भारत को दोनों हाथों से लूटकर खाली कर दिया। जो भारतीय अर्थव्यवस्था कभी विश्व की अर्थव्यवस्था का 33 प्रतिशत हिस्सा थी वह बहुत नीचे जा चुकी थी। पर्यावरण बिखरने लगा। नालंदा जैसे विश्वविद्यालय को नुकसान पहुंचाया गया। उसकी लाइब्रेरी को जला दिया गया। इस सब के पीछे भारत को ज्ञान के स्तर पर समाप्त करने की साजिश काम कर रही थी। मुस्लिम शासक हिंदुओं के धर्मांतरण पर, हिंदुओं को मारने पर और उनकी संपत्ति हड़पने पर काम कर रहे थे। ऐसा कहा जाता है कि औरंगजेब ब्राह्मणों को मारकर रोज सवा मन जनेऊ जलाता था। मंदिरों को नष्ट कर उन पर मस्जिदें बना दी गई। दक्षिण ने अपने आपको इस मुस्लिम आक्रमण से बहुत बचाया और इसीलिए भारत के दक्षिण भाग में आज भी समृद्ध मंदिर हैं,जो उस कालखंड के गौरव की प्रस्तुति के रूप में हमारे सामने खड़े हुए हैं। इसी कालखंड में भारत का भक्ति काल जरूर समृद्ध हुआ और उसने भारत के निवासियों को मानसिक ताकत प्रदान की। तुलसीदास की भक्ति के सामने अकबर जैसा आदमी डर गया और झुक गया। भारत की आजादी की लड़ाई तो सफलतापूर्वक लड़ी गई परंतु एक दुष्परिणाम भारत विभाजन के रूप में भी सामने आया,जिसमे लाखों हिंदुओं का नरसंहार हुआ। आजादी के 70 वर्ष में भारत की वह आर्थिक उन्नति नहीं हो पाई जैसी कि अपेक्षा की गई थी। वर्ष 2014 में केंद्र में एक मजबूत सरकार ने शासन को संभाला। कठोर आर्थिक निर्णय लिए। जनता का भी उन्हें साथ मिला तथा लगभग 10 वर्ष के कार्यकाल में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो गई। वर्तमान सरकार के समक्ष बहुत बड़ी बड़ी चुनौतियां हैं और आज भारत, बहुत सी विदेशी ताकतों एवं उनके षड्यंत्रों के साथ जूझ रहा है। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि जो संकल्प लेकर भारतीय परम्पराओं के अनुरूप सरकार काम कर रही है, उसमें भारत की अर्थव्यवस्था शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। यह इस अर्थव्यवस्था की ताकत है कि कोरोना खंडकाल में भारत ने अपने 80 करोड़ गरीब लोगों को निशुल्क अन्न उपलब्ध कराया तथा कोरोना की वैक्सीन भी समस्त नागरिकों को निशुल्क उपलब्ध कराई गई। भारत अब न सिर्फ सड़क निर्माण के क्षेत्र में बड़ा काम कर रहा है, अपितु वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है। साफ सफ़ाई, गरीबों के लिए मकान, गरीबों के लिए शौचालय जैसे छोटे-छोटे विषय भी सरकार की प्राथमिकता में हैं। सरकार किसानों का ध्यान रख रही है, किसानों को समृद्ध बना रही है और उद्योगों को भी नई दिशा प्रदान कर रही है, नए संसाधन प्रदान कर रही है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत है कि जब विश्व के अन्य देशों में मंदी की स्थिति बन रही है और वहां की अर्थव्यवस्था नीचे की ओर जा रही है तब भारत की अर्थव्यवस्था दिन-ब-दिन समृद्ध होती जा रही है।

देश में कुटीर एवं लघु उद्योग के गौरवशाली दिन वापिस लाने हेतु निरंतर कई प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार ने सहकारिता मंत्रालय का गठन कर देश में सहकारिता आंदोलन को सफल होने का रास्ता खोला है। भारत के आर्थिक विकास में विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थानों का भी बहुत बड़ा योगदान होने लगा है। बहुत सारे धार्मिक संस्थान बड़े-बड़े अस्पताल खोलकर सेवा का कार्य कर रहे हैं। समाज के विभिन्न वर्गों के द्वारा इलाज की बहुत सारी सुविधाएं देश में कई अस्पतालों में मुफ्त में प्रदान की जा रही है। सरकार ने भी एम्स के माध्यम से चिकित्सा सुविधाएं सारे देश में उपलब्ध करवाने का काम किया है। विभिन्न सामाजिक संगठन भी अपना योगदान समाज की सेवा के साथ देश की अर्थव्यवस्था के विकास में प्रदान कर रहे हैं।

भारत का योग सारे विश्व के लिए मार्गदर्शक हो गया है और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत के साथ अन्य राष्ट्र भी उन्नति करते जा रहे हैं। भारतीय नागरिक विदेशों में जाकर झंडे गाड़ रहे हैं। अमेरिका की अर्थव्यवस्था में भारतीयों का बहुत बड़ा योगदान है। प्रवासी भारतीय कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारतीयों का डंका आज पूरे विश्व में बज रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में प्रवासी भारतीय भी अपना योगदान कर रहे हैं। विश्व के कई देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की बढ़ती संख्या एवं भारतीय सनातन दर्शन का प्रसार विदेशों में हो रहा है। भारत की तरह वहां पर भी मंदिरों का निर्माण हो रहा है। भारत की साधना पद्धति वहां स्वीकार की जाने लगी है।

लोक ही नहीं परलोक सुधारने का जतन है मां के नाम एक पेड़

(लेखक- डा राघवेन्द्र शर्मा)

मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरणा पाकर मां के नाम एक पेड़ योजना को हाथ में लेकर केवल पर्यावरण को सुधारने का प्रयास ही नहीं किया है, बल्कि इसके माध्यम से प्रकृति को अपने अनुकूल बनाने की कोशिश शुरू कर दी है। यदि इस योजना को साकार करने हेतु सरकार के साथ जनता जनार्दन के कदम मिल जाएं तो आने वाले समय में एक नए भविष्य की संभावना प्रबल होती दिखाई देती है। जन श्रुतियों और ग्रंथों में दर्ज परंपराओं पर ध्यान दे तो हमें पता चलेगा कि भारतीय संस्कृति और संस्कार, दोनों इस प्रकृति के प्रादुर्भाव से ही पर्यावरण के हितकारी रहे हैं। उदाहरण के लिए- हमारे देश में आस्था का इतना गहन महत्व है कि यहां अनेक नदियों को मां के समान पूजा जाता है। पत्थरों से मूर्तियां तराशकर हम उनके भीतर अपने देवताओं के दर्शन करते हैं। इसे भी महत्वपूर्ण स्थान हमारे जीवन में पेड़ पौधों और वृक्षों का रहा है। वर्ष भर जितने भी हिंदू त्यौहार मनाए जाते हैं उनमें ढेर सारे उत्सव ऐसे हैं, जिनमें केवल और केवल वृक्षों अथवा पेड़ पौधों की ही पूजा की जाती है। विस्तार से स्मरण करें तो हम पाएंगे हमारी माताएं बहने विभिन्न त्योहारों के माध्यम से वट वृक्ष, पीपल, आंवला, आम, केला, तुलसी सहित अनेक वृक्षों अथवा पेड़ पौधों की स्तुति करती रहती हैं। ये परंपराएं केवल इसलिए नहीं बनी कि वृक्षों अथवा पेड़ पौधों की पूजा करने से हमें इच्छित फल की प्राप्ति हो जाती है अथवा देवी देवताओं के दर्शन हो जाते हैं। इनका गूढ़ अर्थ यह भी है कि हम जिन्हें पूजते हैं, सदैव ही उनकी सलामती की कामना करते रहते हैं। लिखने का आशय यह कि जब हम वृक्षों अथवा पेड़ पौधों की पूजा करते हैं तो फिर यह चिंता भी स्वाभाविक हो जाती है कि धरती को हरा भरा बनाए रखने वाले ये पेड़ पौधे सदैव सही सलामत बने रहें तथा इनकी उत्पत्ति निरंतर वृद्धि को प्राप्त होती रहे। जाहिर है इस कामना को फलीभूत करने के लिए हमारे पूर्वज बड़े स्तर पर वृक्षारोपण भी करते रहे हैं। यदि हम अपने पुराने इतिहास को टटोलें तो पाएंगे कि भारत में ऐसे नगरों और ग्रामों की भरमार थी, जहां सड़कों के किनारे, घरों के आंगन में, बस्तियों के केंद्र में फलदार वृक्ष सहज भाव से ही आरोपित किए जाते थे और इनका अस्तित्व जनजीवन के लिए वरदान साबित होता रहता था। मौसम कोई भी हो, गर्मी सर्दी अथवा बारिश, यह सब जीव मात्र के प्रति अनुकूल तो बने ही रहते थे। ना ज्यादा सर्दी होती थी और ना अधिक गर्मी पड़ा करती थी। बारिश के मौसम में भी अतिवृष्टि और सूखे से राहत बनी रहती थी। कारण स्पष्ट है वृक्षों की अधिकता मौसम में अनुकूलता बनाए रखती थी। यदि विज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो फिर यह मानना पड़ेगा कि हमारे पूर्वज और संत महात्मा शेष सभ्य समाज की अपेक्षा अधिक चैतन्य एवं जागरूक थे। वे जानते थे कि जीव मात्र का अस्तित्व बचाए रखने के लिए वृक्षों के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। अर्थात वृक्षों को जीवन दाता माना गया तभी उसके पूजन और स्तुति की स्थितियां निर्मित हुईं और आम जनमानस को प्रकृति के साथ जोड़ दिया गया। यदि हमारे धार्मिक ग्रंथो की बात की जाए तो उनमें यह उल्लेख भी पढ़ने को मिलता है कि कोई व्यक्ति एक वृक्ष को धरती पर रोपता है और उसकी पूरी तन्मयता से उसकी देखभाल करते हुए ठीक ढंग से उसका पालन पोषण करता है, तो वह अनेक सुफलों का अधिकारी हो जाता है। हिंदू धर्म में कहा तो यहां तक गया है कि किसी पुरुष अथवा नारी द्वारा दस बच्चों को जन्म देने और उनके पालन पोषण करके उन्हें सभी प्रकार से योग्य बनाने के बाद जो सुफल प्राप्त होते हैं वह सब केवल एक वृक्ष को लगाने से ही प्राप्त हो जाते हैं।

लिखने का आशय यह की पृथ्वी का संतुलित पर्यावरण अधिकांशतः पेड़ों पर ही टिका हुआ है। यदि पेड़ पर्याप्त मात्रा में है तो उनके द्वारा अतिरिक्त ताप को सोख लिया जाता है। यदि मानवीय गतिविधियों से नुकसान दायक गैसों का उत्सर्जन होने लगता है तो उन्हें भी पेड़ों की अधिकता के चलते निस्तेज किया जा सकता है। यदि पृथ्वी पर पेड़ पौधे पर्याप्त हैं तो वे सब मिलकर जलवायु परिवर्तनों को संतुलित बनाए रखते हैं। अर्थात समय पर बारिश होती है और उतनी ही होती है जिससे ना तो सूखा रह जाए और ना ही बाढ़ अथवा प्रलय के हालात बनें। दुख की बात यह है कि आजादी के बाद से लेकर अभी तक जितनी भी सरकारें अधिकतम समय तक शासन करती रहीं, उन्होंने कभी इस अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू पर गंभीरता के साथ गौर किया ही नहीं। बस वृक्षारोपण के नाम पर करोड़ों अरबो रुपए स्वाहा किए जाते रहे। इस पुण्य कार्य की आड़ में भारी पैमाने पर भ्रष्टाचार होता रहा। कागजों में वृक्षारोपण होते रहे, जो थोड़े बहुत वृक्षारोपण हुए भी तो देखभाल के अभाव में उन्होंने दम तोड़ दिया। नतीजा यह निकला कि विकास के नाम पर अंधाधुंध पेड़ काटे जाते रहे। जबकि उसके विपरीत वृक्षों को पर्याप्त मात्रा में नहीं रोपा गया। नतीजा हम सबके सामने हैं। गर्मियां और अधिक जानलेवा हो रही हैं।सर्दियों के मौसम में भी लोग पहले की अपेक्षा अधिक दम तोड़ने लगे हैं। बारिशों का हाल यह है कि कहीं पानी का अभाव रह जाता है तो कुछ इलाकों में इतनी आतिवृष्टि होती है कि बाढ़ और प्रलय के हालात बन जाते हैं। लेकिन अब भारत की प्रकृति और प्रवृति परिवर्तित हो रही है। क्योंकि देश में जन सरोकारों के प्रति सदैव ही चिंतित बने रहने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार है। उन्होंने वृक्षारोपण को केवल औपचारिकता से अलग हटकर उसे संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का बीड़ा उठाया है। अपनी इसी मंशा को पूरा करने की दृष्टि से उन्होंने एक पेड़ मां के नाम योजना का शुभारंभ किया है। जाहिर है उनके द्वारा यह विधि इसलिए अपनी गई है ताकि लोग वृक्षारोपण के लिए केवल फॉर्मेलिटी ना करें। बल्कि पूरी गंभीरता से पौधे को रोपें और एक बच्चे की तरह उसका तब तक लालन पालन करते रहें, जब तक कि वह पर्यावरण को अनुकूलता प्रदान करने वाला आत्मनिर्भर वृक्ष नहीं बन जाए। वृक्षारोपण करने वालों में गंभीरता और समर्पण का भाव बना रहे, इसी दृष्टि से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस कार्यक्रम के साथ मां को जोड़ दिया है। उनके इस विचार की जितनी प्रशंसा की जाए कम है और बुद्धिजीवी लोग प्रशंसा कर भी रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक ऐसे ही सच्चे प्रशंसक हैं। यही वजह है कि उन्होंने एक पेड़ मां के नाम योजना को पूरी गंभीरता से लिया है। बेशक इस योजना को क्रियान्वित करने के लिए कोई कानून नहीं बनाया गया है। ना ही इस आशय के निर्देश हैं कि सभी को ऐसा करना ही होगा।

विचार मंथन

उत्तर प्रदेश भाजपा में मचा बवाल मंत्रिमंडल और संगठन में फेरबदल?

(लेखक – सनत जैन)

उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी में इन दिनों घमासान मचा हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुलाकात राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से हुई है। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को दिल्ली बुलाया गया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी लंबी बातचीत हुई है। लोकसभा चुनाव के बाद जिस तरह की स्थिति उत्तर प्रदेश भाजपा में देखने को मिल रही है उसमें मुख्यमंत्री पद को लेकर घमासान होने की बात सामने आ रही है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। वह लगातार दिल्ली में सक्रिय रहकर मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए दावा कर रहे थे। इसके लिए भाजपा के कई केंद्रीय नेताओं का उन्हें समर्थन भी मिल रहा था। यही कारण रहा है कि वह बहुत उत्साहित नजर आ रहे थे। उन्होंने सीधे-सीधे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ बगावत शुरू कर दी थी। वहीं दूसरी तरफ सीएम योगी आदित्यनाथ किसी भी कीमत में मुख्यमंत्री का पद छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। योगी के हठ को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व ने भी उनके सामने हथियार डाल दिए हैं। अब हद यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केशव प्रसाद मौर्य को मंत्रिमंडल से हटाने की जिद पकड़ ली है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में जिस तरह से केशव प्रसाद मौर्य ने सरकार से बड़ा संगठन है, कहकर सियासी संग्राम को आर-पार की स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। उत्तर प्रदेश में सरकार और संगठन के बीच में जो रस्सा-कसी देखने को मिल रही है। उसके बाद यह माना जा रहा है, कि मुख्यमंत्री के पद पर तो योगी आदित्यनाथ बने रहेंगे, लेकिन केशव प्रसाद मौर्य उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल से हटाए जाएंगे। उन्हें संगठन में लाया जा सकता है। यह भी हो सकता है, कि उन्हें उत्तर प्रदेश की राजनीति से हटाकर केंद्रीय राजनीति में सक्रिय किया जाए।

इस राजनीतिक उठापटक के बीच ही उत्तर प्रदेश में जल्द ही 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना हैं। इनमें से 9 सीटों पर भाजपा काबिज थी। यह उपचुनाव भारतीय जनता पार्टी के लिए जीतना बहुत जरूरी हो गया है। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो इसका असर तीन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में पड़ना तय है। भविष्य में भी भाजपा के उत्तर प्रदेश में कमजोर होने से राष्ट्रीय स्तर पर भी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ेगा। संभवतः इस वजह से भी केशव प्रसाद मौर्य पद और प्रतिष्ठा की इस लड़ाई में अलग-थलग पड़ गए हैं। इसमें उन्हें अपने राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा नुकसान होने जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई में जिस तरह का घमासान मचा हुआ है। आने वाले उपचुनाव में इसका खामियाजा भारतीय जनता पार्टी को भुगतना पड़ सकता है। केंद्रीय नेताओं ने अब जाकर इसे समझा है। पर इससे क्या, क्योंकि राजनीतिक गलियारे में तो इसे लेकर जमकर घमासान हो चुका है और उसे न सिर्फ राज्य ने बल्कि पूरे देश ने भी देखा और पढ़ा है। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों को देखते हुए भाजपा देश की राजनीति को उत्तर प्रदेश पर केंद्रित करना चाह रही थी, लेकिन उसके बाद जो हुआ वह कहीं से भी पार्टी के हित में नहीं था। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा पहले इस विवाद की आग में घी डालने का काम किया गया था। अब आग बुझाने के प्रयास किये जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में चल रहे इस विवाद में किस हद तक भाजपा सरकार और संगठन को हुए नुकसान होने से बचा पाती है। इसका फैसला भविष्य ही तय करेगा।

दिल का दर्द पहचानें इसके लक्षण

कोरोनरी हार्ट डिजीज किसी भी उम्र में हो सकती है। समय रहते इलाज करा लिया जाए तो आप दिल के दौरे जैसे खतरे से बच सकते हैं।

कोरोनरी धमनी रोग यानी सीएडी एक तरह का हृदय रोग है, जिसमें हमारे हृदय की धमनियों के अंदर प्लेक नाम के एक मोम जैसे पदार्थ का निर्माण होने लगता है, जिससे हमारी धमनियां सिकुड़ जाती हैं और हमारे हृदय तक ऑक्सीजन युक्त खून का प्रवाह घट जाता है। यही प्लेक जब हमारे हृदय की धमनियों के आधे हिस्से में फैल जाता है तो हमारी छाती में दर्द होने लगता है और रोजमर्रा के काम में हमें परेशानी होने लगती है।

इसके अलावा छाती में कसाव और ऐंठन भी महसूस होने लगती है, जिसे एनजाइन कहते हैं। कंधे, बांह, गर्दन, दांत के जबड़े, पीठ और पेट के ऊपरी भाग में भी यह दर्द हो सकता है। सीएडी की वजह से ही दिल का दौरा पड़ता है। किसी व्यक्ति को दिल का दौरा तब पड़ता है, जब उसके प्लेक टूटने लगते हैं और धमनियों पर खून के थक्के जमने लगते हैं, जिससे हृदय की धमनियों में खून का प्रवाह बहुत कम समय में ही अवरुद्ध हो जाता है।

ऐसे में अगर खून का प्रवाह तुरंत पहले जैसा नहीं हुआ, तो हृदय की मांसपेशियां 20 मिनटों के बाद ही मृत होने लगती हैं। ऐसे में व्यक्ति का तुरंत इलाज करवाना चाहिए, नहीं तो सेहत से जुड़ी परेशानियों के अलावा मृत्यु तक का खतरा हो सकता है। सांस की कमी, मिचली आना, उल्टी करना, चक्कर आना आदि दिल के दौरे के लक्षण हैं।

इन वजहों से सीएडी में विकास होता है

धूम्रपान, बीमारी का पारिवारिक इतिहास, मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सुस्त जीवनशैली, व्यायाम में कमी, तनाव, हाईपरलीपिडेमिया (खून में लीपिड की मात्रा का बढ़ना)।

समय रहते करा लें इलाज

सही समय पर हृदय से जुड़ी इस परेशानी का इलाज न कराया जाए तो हृदय काम करना बंद कर सकता है। इससे हृदय की पम्पिंग क्षमता कम हो जाती है, तो फेफड़ों में खून का जमाव होने लगता है और व्यक्ति को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। इसके अलावा हृदय की गति अचानक से रुक जाना भी इसकी एक बड़ी समस्या है। कई बार मरीज को यह आभास नहीं हो पाता कि उन्हें हृदय से जुड़ी कोई परेशानी है। इसलिए शुरुआत में ही बीमारी की पहचान हो जाए तो इस बीमारी का इलाज करना संभव होगा। फिर भी अगर बीमारी की पहचान नहीं हो पा रही हो और दवाइयों से भी कोई फायदा नहीं हो पा रहा हो, तो कार्डिएक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी की मदद ली जा सकती है। वहीं दिल के दौरे पड़ने पर खून के थक्कों को हटाने के साथ एंजियोप्लास्टी (अवरुद्ध धमनियों को खोलने की एक तकनीक) एक सुरक्षित तरीका है।

अपनाएं ये उपाय

अपनी जीवनशैली में कुछ जरूरी बदलाव कर आप इस बीमारी से बच सकते हैं, जिसमें वजन को नियंत्रित रखने के साथ निम्न बातों पर अमल करने की सलाह दी जाती है।

स्वस्थ डाइट अपनाएं

एक स्वस्थ डाइट एक स्वस्थ जीवनशैली का अहम हिस्सा होती है। एक दिन की डाइट में 25-35 प्रतिशत से ज्यादा कैलोरी नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही स्वस्थ डाइट में घुलनशील फाइबर होता है। फाइबर पाचन तंत्र को कोलेस्ट्रॉल सोखने से रोकता है। ओटमील, जई का चोकर, सेब, केले, संतरे, नाशपाती, आलूबुखारे, काबुली चने, राजमा, दाल, लोबिया में फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा खाने में नमक संतुलित मात्रा में होनी चाहिए, साथ ही खाने में ऊपर से नमक कभी न डालें। नियमित तौर पर अल्कोहल का सेवन करने वाले पुरुषों को दिन में दो बार से ज्यादा ड्रिंक नहीं लेनी चाहिए।

शारीरिक तौर पर रहें सक्रिय

नियमित रूप से शारीरिक श्रम हृदय से जुड़ी कई बीमारियों (जैसे उच्च रक्तचाप, अत्यधिक वजन) के खतरे को कम कर देता है। यही नहीं, यह मधुमेह के खतरे को भी कम करता है। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए आप रोज तेज-तेज चलें, सीढ़ियां चढ़ें या कोई खेल खेलें। जॉगिंग, रिवमिंग, बाइकिंग, वॉकिंग जैसे एरोबिक व्यायाम भी आपके हृदय को स्वस्थ बनाते हैं। एक हफ्ते में 150 मिनट यानी करीब ढाई घंटे के हल्के व्यायाम या 75 मिनट यानी सवा घंटे के कड़े व्यायाम की सलाह दी जाती है।

धूम्रपान से बचें

धूम्रपान दिल का दौरा पड़ने का एक बहुत बड़ा कारण है। आंकड़े बताते हैं कि 65 साल के कम उम्र के एक तिहाई लोगों में क्रोनिक हर्ट डिजीज का मुख्य कारण धूम्रपान होता है। वहीं जिन लोगों ने समय रहते ही धूम्रपान छोड़ा है, उनमें कोरोनरी धमनी रोग से उत्पन्न मृत्यु का खतरा करीब आधा कम हो गया। यह भी देखा गया है कि जो लोग धूम्रपान नहीं करते, उनका इलाज धूम्रपान करने वाले लोगों से ज्यादा प्रभावी तरीके से हो पाता है।

तनाव से रहें दूर

रिसर्च बताते हैं कि मानसिक तनाव भी दिल का दौरा पड़ने का एक अहम कारण है। कई बार तनाव दूर करने के लिए लोग ड्रिंक, धूम्रपान या ओवरईटिंग का सहारा लेने लगते हैं, जिससे हृदय की सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए तनाव से दूर रहें और हृदय को स्वस्थ रखें।

ऐसे पहचानें ब्रेन हैमरेज

सामान्य चिकित्सक सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के मुख्य लक्षण के तौर पर तेज होने वाले सिरदर्द की पहचान करने में विफल रहते हैं और 18 फीसदी मरीज़ों को अस्पताल में भर्ती कराते समय तंत्रिका संबंधी जांच नहीं उपलब्ध नहीं होती है।

ब्रेन हैमरेज यानी मस्तिष्क आघात, विशेषकर धमनी विकार से पीड़ित व्यक्ति की जांच या उसके इलाज में हुई देरी मरीज़ की देखभाल के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है।

इन 7 अंगों में दर्द हो सकता है गंभीर रोगों का इशारा

मरीज़ों की स्थिति और मृत्यु को लेकर राष्ट्रीय विश्वसनीयता जांच रिपोर्ट (एनसीईपीओडी) में कहा कि सामान्य रोग चिकित्सक मस्तिष्क आघात के लक्षणों की पहचान करने में विफल रहते हैं और स्वास्थ्य लाभ की स्थितियां खराब हैं।

बार-बार सिरदर्द के पीछे हो सकती है यह वजह

हालांकि एनसीईपीओडी ने 58 फीसदी मामलों में बेहतर देखभाल पाई है। ब्रिटेन में हर वर्ष पांच हजार लोग सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ से प्रभावित होते हैं। एनसीईपीओडी की यह रिपोर्ट सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के 427 मामलों के विश्वसनीय विश्लेषण पर आधारित है। इनमें इंग्लैंड, वेल्स, उत्तरी आयरलैंड, द चैनल आइसलैंड और आइल ऑफ मैन से पीड़ित शामिल हैं। कुल मिलाकर रिपोर्ट में इस प्रकार के मस्तिष्क आघात वाले मरीज़ की देखभाल में बड़े स्तर पर आए बदलाव का एक उपलब्धि के तौर पर स्वगत किया गया है। रिपोर्ट में कहा कि 90 फीसदी अस्पतालों में सप्ताह के साते दिनों सीटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध रहती है और 86 फीसदी मरीज़ों का इलाज आधुनिकतम एंडोवैस्कुलर तकनीकों के इस्तेमाल के जरिए होता है। लेकिन दूसरे इलाकों में मरीजों को यह सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं।

सप्ताहांत में होने वाली देरी

देखा गया है कि सामान्य चिकित्सक सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के मुख्य लक्षण के तौर पर तेज होने वाले सिरदर्द की पहचान करने में विफल रहते हैं और 18 फीसदी मरीज़ों को अस्पताल में भर्ती कराते समय तंत्रिका संबंधी जांच नहीं उपलब्ध नहीं होती है। रिपोर्ट के अनुसार अस्पताल में भर्ती होने के बाद सप्ताहांत के समय इलाज में देरी होना आम बात है। तीस फीसदी मरीजों को 24 घंटों के अंदर इलाज मिल पाता है। जबकि सामान्य दिनों में 70 फीसदी मरीजों का इलाज संभव हो पाता है। एनसीईपीओडी की रिपोर्ट के अनुसार सर्जरी के बाद अस्पताल से छुट्टी होने पर देखभाल में सुधार किया जा सकता है।

इस रिपोर्ट के सह-लेखक और सलाहकार सर्जन प्रोफेसर माइकल गॉह ने कहा कि सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के बहुत से मरीज़ अपनी बाकी के जीवन में रोज़मर्रा के कामकाज के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाते है। इसलिए यह जरूरी है कि इस बीमारी से पीड़ित सभी मरीज़ों की न केवल सर्जरी के बाद तुरंत सही देखभाल हो बल्कि बाद में ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि जिनता जल्दी संभव हो, मरीजों की उनके स्वस्थ होने में मदद की जाए। एनसीईपीओडी की इस रिपोर्ट में अस्पतालों को स्थानीय विशेषज्ञ तंत्रिकातंत्र केंद्र से सम्बद्ध करने की सिफारिश की गई है, ताकि मरीजों का समय रहते इलाज संभव हो सके। इसके साथ ही मरीजों की जांच और प्रबंधन सुधारने के लिए देखभाल के मानक प्रक्रियाएं लागू करने की सिफारिश की है।

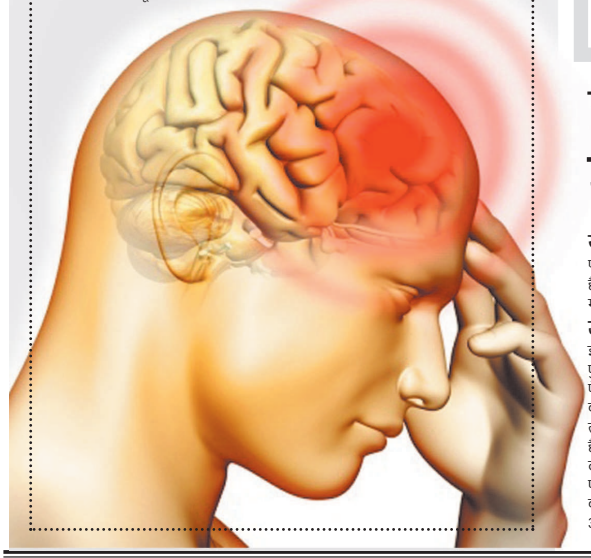

किशोरों में बढ़ रही मधुमेह की बीमारी

एक दशक पूर्व व्यस्कों में होने वाली मधुमेह की बीमारी अब किशोरों को भी चपेट में ले रही है। लेकिन इसके बारे में जानकारी हासिल करना कि बच्चा मधुमेह से पीड़ित है या नहीं प्रत्येक माता-पिता के लिए चिंता का कारण बन रही है। किशोर मधुमेह अनुसंधान फाउंडेशन के मुताबिक तेजी से बच्चों में टाइप-1 मधुमेह की बीमारी बढ़ रही है। जीवन शैली में लगातार हो रहे बदलाव से टाइप-2 मधुमेह भी बढ़ रहा है। जिले में भी एक बड़ी संख्या में बच्चे मधुमेह की चपेट में आ रहे हैं। मधुमेह के प्रति जागरूकता लाने के लिए विश्व मधुमेह दिवस किशोर मधुमेह जागरूकता के रूप में मनाया जाता है।

क्या है मधुमेह बीमारी का कारण

वरिष्ठ फिजीशियन डा. अरविंद डोगरा बताते हैं कि किशोर मधुमेह अनुवाशिक मुद्दा है। बच्चों में टाइप-1 मधुमेह का मतलब है कि उनके शरीर में इंसुलिन नहीं बन रहा और इस बीमारी से बचने के लिए उन्हें बाहर से इंसुलिन लेने की जरूरत है। किशोर मधुमेह या इंसुलिन- डिपेंडेंड मधुमेह के तौर पर जाना जाने वाली यह बीमारी बच्चे के जीवन को पुनःपरिभाषित कर सकती है जिन्हें नियमित रूप से रक्त शर्करा स्तर (ब्लड शुगर लेवल) और उसके प्रबंधन की आवश्यकता होगी।

कैलोरी का ज्यादा सेवन, सामान्य चीनी, संतृप्त वसा और कम फाइबर वाले अनुचित आहार एवं कम होती शारीरिक गतिविधि के साथ तेजी से बदलती जीवनशैली उन्हें अधिक घातक टाइप-2 मधुमेह की चपेट में धकेल सकता है।

कैसे पहचाने मधुमेह

ज्यादातर लोग इस बात से अनजान हैं कि मधुमेह बच्चों को भी हो सकता है, जब तक हालात बहुत न बिगड़ जाए तब तक बीमारी का पता नहीं चलता। हालांकि बीमारी की शुरुआत धीमी है और माता-पिता अक्सर लक्षण के बारे में भ्रमित रहते हैं या उसे नजर अंदाज कर देते हैं। इसके बावजूद प्यास या पेशाब में वृद्धि, देखने की क्षमता से जुड़ी समस्याएं, अचानक कम होता वजन या बच्चे में सुस्ती कुछ ऐसे लक्षण हैं जिन्हें गंभीरता से लेना चाहिए। तुरंत किसी डॉ से परामर्श करना चाहिए और बच्चे की जरूरी जाच करनी चाहिए क्योंकि इन समस्याओं की वजह संभव है मधुमेह हो।

सावधानी बरत कर करें बचाव

मधुमेह को रोकने के लिए जरूरी है कि हम अनिवार्य और नियमित शारीरिक गतिविधि के साथ स्वस्थ खानपान और ग्लूकोस के स्तर की नियमित निगरानी करें। स्वस्थ खानपान और शारीरिक गतिविधि के जरिए मोटापे और इसके विनाशकारी परिणाम से बचा सकती है। मधुमेह से पीड़ित कोई बच्चा हाइपोग्लिसेमिक (ब्लड शुगर कम हो जाना) हो जाए, तो जरूरी है कि बच्चे को दो चम्मच चीनी, ग्लूकोज या मीठा पेय दिया जाए।

रोज योग का फायदा जानते हैं आप?

योग हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, यह बताने की जरूरत नहीं। पर यह फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित मरीजों की जिंदगी को बेहतर बनाने का बेहद आसान और कम खर्चीला तरीका भी साबित हो सकता है।

ये नौकरियां हैं फेफड़े के लिए खतरनाक

एम्स के डॉक्टरों द्वारा किए गए अध्ययन में यह दावा किया गया है। इस अध्ययन को यहां आयोजित चेस्ट 2013 की बैठक में पेश किया गया।

जानें, एक्सरसाइज के दिलचस्प विकल्प

इसमें 12 हफ्तों की ट्रेनिंग के बाद क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पुलमोनेरी डिजीज (सीओपीडी) से पीड़ित मरीजों के फेफड़े और सांस संबंधी तकलीफों में महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिला। ऐसे मरीजों को अपने फेफड़ों से सांस बाहर निकालने में तकलीफ होती है, जिससे ताजी हवा शरीर के अंदर लेना मुश्किल हो जाता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि वैसे तो सीओपीडी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षणों को नियंत्रित कर इस बीमारी से पीड़ित मरीजों की जिंदगी को बेहतर बनाया जा सकता है। सिगरेट पीने की वजह से ज्यादातर लोग इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं और इसके लक्षण अक्सर 40 की उम्र में देखने को मिलते हैं।

आईटीआर भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई

- आखिरी तारीख बीतने के बाद देना होगा 5 से 10 हजार तक जुर्माना

नई दिल्ली । इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने का आखिरी तारीख 31 जुलाई 2024 तक है। अगर आपने 31 जुलाई तक अपना आईटीआर नहीं फाइल किया तो आपको जुर्माना भरना पड़ सकता है। आपको बता दें कि समय पर आईटीआर भरने के कुछ बड़े फायदे भी होते हैं। अगर आप 31 जुलाई के बाद आईटीआर फाइल करते हैं और आपकी इनकम 5 लाख रुपए से ज्यादा है तो आपको 5 हजार रुपए पेनल्टी देनी होगी। वहीं अगर आपकी आय 5 लाख रुपए से कम है तो आपके 1 हजार रुपए जुर्माना देना होगा। अगर आप 31 दिसंबर 2024 के बाद आईटीआर दाखिल करेंगे तो आपको 10 हजार रुपए जुर्माना देना होगा। इसके अलावा अगर आपने आईटीआर दाखिल करते समय अपनी इनकम की गलत जानकारी दी है तो भी आप पर टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से जुर्माना लगाया जाएगा। कम इनकम दिखाने पर 50 फीसदी तक और गलत जानकारी देने पर 200 प्रतिशत तक पेनल्टी लगाई जा सकती है। इसके अलावा आखिरी तारीख तक अगर आईटीआर दाखिल नहीं किया तो आपको इनकम टैक्स फाइल करने के दौरान मिलने वाले रिफंड में देरी हो सकती है। सीबीडीटी के आंकड़ों के मुताबिक, 14 जुलाई तक लगभग 2.7 करोड़ आईटीआर दाखिल हुए है, जो पिछले साल की समान अवधि के दौरान दाखिल रिटर्न की तुलना में 13 फीसदी ज्यादा है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एक करोड़ आईटीआर का माइलस्टोन 23 जून को पहुंचा था। वहीं 2 करोड़ का माइलस्टोन 7 जुलाई को पार हुआ था। पिछले साल से इसकी तुलना करें तो वित्त वर्ष 2022-23 में 26 जून तक एक करोड़ और 11 जुलाई तक 2 करोड़ आईटीआर फाइल हुए थे। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 31 जुलाई 2023 तक कुल 6.91 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए थे। 31 मार्च 2024 तक यह संख्या बढ़कर 8.62 करोड़ हो गई। वहीं इस साल पहली बार, टैक्स डिपार्टमेंट ने टैक्सपेयर्स को नए वित्त वर्ष के पहले दिन रिटर्न दाखिल करने की अनुमति दी थी।

एएसके प्रॉपर्टी फंड ने कल्पतरु में 190 करोड़ का किया निवेश

नई दिल्ली । एएसके प्रॉपर्टी फंड ने मुंबई में कल्पतरु द्वारा विकसित की जा रही एक रियल एस्टेट परियोजना में 190 करोड़ रुपये का निवेश करने की गुरुवार को घोषणा की। एएसके प्रॉपर्टी फंड, ब्लैकस्टोन समर्थित एएसके एसेट एंड वेल्थ मैनेजमेंट समूह की एक रियल एस्टेट निजी इक्विटी शाखा है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने कल्पतरु द्वारा विकसित की जा रही एक परियोजना में 190 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह एक उच्च मध्य-खंड परियोजना है। यह बोरीवली पश्चिम में स्थित है, जिसमें 310 इकाइयां और यह छह एकड़ में फैली हुई है। इसमें कुल बिक्री योग्य क्षेत्रफल करीब 6.5 लाख वर्गफुट है। बयान में कहा गया कि इस धनराशि का उपयोग परियोजना के अधिग्रहण तथा कार्यशील पूंजी की जरूरतें पूरी करने के लिए किया जाएगा।

धारणा कैपिटल ने अर्बन कंपनी में किया 400 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । घर पर आकर विभिन्न प्रकार की सेवाए प्रदान करने वाली उद्यम पूंजी कंपनी धारणा कैपिटल ने अर्बन कंपनी में 400 करोड़ रुपये के निवेश से अघोषित हिस्सेदारी हासिल की है। दोनों कंपनियों ने बुधवार को संयुक्त बयान जारी कर कहा कि धारणा कैपिटल ने कर्मचारियों और अन्य शेयरधारकों से एक महत्वपूर्ण शेयर बाजार में लेनदेन के माध्यम से ये शेयर खरीदे हैं। बयान के अनुसार भारत पर केंद्रित निवेश कंपनी धारणा कैपिटल ने अर्बन कंपनी (अर्बनक्लैप टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड) में 400 करोड़ रुपये (लगभग पांच करोड़ डॉलर) से अधिक मूल्य के शेयरों के अधिग्रहण की घोषणा की है। धारणा कैपिटल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अर्बन कंपनी ने चुनौतीपूर्ण स्थानीय सेवा बाजार में एक मजबूत, पूंजी-कुशल और टिकाऊ व्यवसाय बनाया है। हम यूसी संस्थापकों और टीम के मुख्य ध्यान और निष्पादन से बहुत प्रभावित हैं।

एयर इंडिया ने लांच की वीआरएस और वीएसएस योजना

- एयरलाइंस के करीब 600 कर्मचारियों पर गिर सकती है गाज

मुंबई ।

टाटा समूह के स्वो मित्व वाली एयरलाइन एयर इंडिया ने उड़ान सेवा के कर्मचा रियों को छोड़कर दूसरे कार्यों से जुड़े कम से कम पांच साल तक की सेवा वाले स्थायी कर्मचारियों के लिए वॉलंटरी रिटायरमेंट स्कीम (वीआरएस) पेश की है। साथ ही पांच साल से कम समय से काम कर रहे कर्मचारियों के लिए भी वॉलंटरी सेपरेशन स्कीम (वीएसएस) लाई गई है। विस्तारा के साथ मर्जर (विलय) से पहले यह फैसला लिया गया है। सूत्रों ने कहा कि वीआरएस योजना उन कर्मचारियों के लिए है, जिन्होंने कंपनी में पांच साल की सेवा पूरी कर ली है। वहीं स्वैच्छिक पृथक्करण योजना की पेशकश एयरलाइन में पांच साल से कम सेवा वाले कर्मचारियों के लिए की गई है। योजनाएं 17 जुलाई से लागू हो गई हैं। एयर इंडिया ने योजनाओं की पुष्टि कर दी है। हालांकि, इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई है। संबंधित कर्मचारियों को वीआरएस या वीएसएस के लिए आवेदन करने के लिए एक महीने का समय दिया गया। ढाई साल पहले कंपनी के निजीकरण के बाद से यह तीसरा मौका है जबकि एयर इंडिया अपने स्थायी कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना लेकर आई है। टाटा समूह ने जनवरी, 2022 में एयर इंडिया की कमान संभाली थी। एयर इंडिया और विस्तारा का मर्जर होना है। ऐसे में दोनों एयरलाइंस के करीब 600 कर्मचारियों पर

इसका असर देखने को मिल सकता है। घाटे में चल रही इन दोनों एयरलाइन कंपनियों का स्वामित्व टाटा समूह के पास है। इनके कर्मचारियों की संख्या कुल मिलाकर 23,000 से अधिक है। सरकार से अधिग्रहण के बाद टाटा समूह अपने विमानन कारोबार को मजबूत करने के लिए अपनी एयरलाइंस के मर्जर की योजना पर काम रहा है। विलय की प्रक्रिया सितंबर के अंत या अक्टूबर की शुरुआत में पूरा होने की उम्मीद है।

रुपया डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुख और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की वजह से रुपये ने गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार किया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर, रुपये की जोड़ी के सीमित दायरे में रहने की उम्मीद है, क्योंकि विदेशी निवेशकों और तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की मांग भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से आपूर्ति के बराबर है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.57 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.55 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.58 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 103.80 पर रहा।

जापान का व्यापार घाटा घटकर 21 अरब डॉलर हो गया

तोक्यो । जापान में जून महीने में व्यापार अधिशेष सालाना आधार पर पांच गुना बढ़कर 224 अरब येन (1.4 अरब डॉलर) हो गया। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष की पहली छमाही में जापान का व्यापार घाटा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में आधे से अधिक घटकर 3230 अरब येन (21 अरब डॉलर) रह गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले येन की कमजोरी ने हाल के महीनों में जापान के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद की है। वाहनों तथा कंप्यूटर चिप के बढ़ते निर्यात से जून में व्यापार अधिशेष एक साल पहले की तुलना में पांच गुना बढ़कर 224 अरब येन या 1.4 अरब डॉलर हो गया। कमजोर येन जापान के आयात के लिए नकारात्मक माना जाता है, खास तौर पर मुद्रास्फीति के रुझान और बढ़ती ऊर्जा लागत के बीच। संसाधन-विहीन जापान अपनी करीब पूर्ण ऊर्जा जरूरत आयात करता है। जापान ने लगातार छह वित्तीय छमाही में व्यापार घाटा दर्ज किया जिसकी शुरुआत 2021 की अंतिम छमाही से हुई। इसका मुख्य कारण कमजोर येन और बढ़ती वैश्विक कीमतें रहीं। जापान एक अप्रैल से 31 मार्च के वित्त वर्ष का अनुसरण करता है। आंकड़ों के अनुसार, जून महीने में आयात तीन प्रतिशत बढ़कर 8980 अरब येन (58 अरब डॉलर) हो गया, जबकि निर्यात पांच प्रतिशत बढ़कर 9200 अरब येन (59 अरब डॉलर) रहा।

शेयर बाजार रिकार्ड स्तर पर पहुंचा , सेंसेक्स पहली बार 81 हजार के ऊपर निकला

निफ्टी भी 24,800 से ऊपर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में हुई जबरदस्त खरीददारी से आई है। आज कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स पहली बार 81,000 अंक के ऊपर पहुंचा। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 इंट्राडे कारोबार में 24,800 से ऊपर निकल गया।

अंत में सेंसेक्स 626.91 अंक करीब 0.78 फीसदी ऊपर आकर 81,343.46 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी भी 187.85 अंक तकरीबन 0.76 फीसदी बढ़कर 24,800.85 के नए स्तर पर बंद हुआ।

आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 22 शेयर ऊपर आये। टीसीएस, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, इंफोसिस और टेक महिंद्रा के पांच शेयर सबसे लाभ में रहे। इसके अलावा, एचयूएल, एसबीआई, एचसीएल टेक, आईटीसी, कोटक बैंक, भारती एयरटेल, टाइटन, सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक और मारुति के शेयर ऊपर आये।

दूसरी तरफ सेंसेक्स के 8 शेयर नीचे ओय। एशियन पेंट्स, जएसडब्लू स्टील, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स और टाटा स्टील सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नुकसान में रहे।

बाजार जानकारों के अनुसार दूसरे सत्र में फ्रंटलाइन इंडेक्स मजबूत हुए और आईटी शेयरों में नए सिरे से खरीदारी के कारण नई ऊंचाई पर पहुंच गए। बाजार गुरुवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स खुलते ही 111 अंक गिरकर 80,605 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी भी गिरावट के साथ 24,600 अंक से नीचे चला गया।

दूसरी ओर एशियाई शेयर बाजार आज सुबह बड़ी गिरावट के साथ खुले। जापान का निक्केई 2 फीसदी से अधिक गिर गया जबकि कोस्पी और ताइवान 1 फीसदी नीचे थे।

प्लैटिनम व अन्य धातुएं मिलाकर हो रहा सोने का आयात

- सरकार को सालाना 63,375 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली ।

प्लैटिनम और दूसरी धातुएं मिलाकर, इनने बनाई गई वस्तुओं को कम आयात शुल्क चुकाकर सोना आयात किया जा रहा है। इन अलॉय उत्पादों को गलाकर सोना निकाला जा रहा है और उसे डिस्काउंट पर बेचा जा रहा है। इस शिकायत के साथ ऑल इंडिया जूलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) ने वो णिज्य मंत्रालय को पत्र लिखकर मांग की है कि जिन चीजों में 5 फीसदी से अधिक सोना मिला हो, उनके लिए अलग आयात शुल्क तय किए जाएं। कीमती धातुओं के ड्यूटी स्ट्रक्चर को लेकर थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव ने भी चिंता जताई है। एआईजेजीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हाल के दिनों में प्लैटनिम अलॉय का आयात काफी बढ़ा है, जिसमें असल में 88 प्रतिशत तक गोल्ड मिला होता है। गोल्ड पर आयात शुल्क 15 फीसदी है, लेकिन ऐसे अलॉय पर 5 फीसदी है। इसमें टेक्निकल तौर पर हो सकता है कि कुछ भी गलत न हो, लेकिन यह टैरिफ रेगुलेशंस को किनारे करने वाली बात है। इससे सरकार को राजस्व का नुकसान भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसके जरिए इंपोर्टेड गोल्ड की कॉस्ट आर्टिफिशियल तरीके से घटाई जाती है और इसका बुरा असर डोमेस्टिक गोल्ड इंडस्ट्री पर पड़ रहा है क्योंकि ऐसी हरकत करने वाले बुलियन डीलर रिफाइंड गोल्ड बेचते समय डिस्काउंट दे रहे हैं। इससे वैध तरीके से सोना

आयात करने वालों के लिए मुश्किल हो रही है। फेडरेशन ने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मांग की है कि 5 फीसदी से अधिक गोल्ड कंटेंट वाले किसी भी आइटम के लिए उसमें गोल्ड कंटेंट के आधार पर एक अलग आयात शुल्क तय किए जाए।

अग्निवीरों को कार्यकाल पूरा करने के बाद नौकरी देगी क्रिस्टल

नई दिल्ली । परिसरों में सुरक्षा उपलब्ध कराने वाली कंपनी क्रिस्टल ने कहा है कि वह सेना के साथ चार वर्ष का कार्यकाल पूरा कर चुके अग्निवीरों को नौकरी के अवसर मुहैया कराएगी। क्रिस्टल इंटीग्रेटेड सर्विसेज के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि कुछ प्रतिभाशाली अग्निवीरों को बहुत अच्छा वेतन मिल सकता है। उन्होंने कहा कि क्रिस्टल जैसी कंपनियां मौजूदा अग्निवीरों और कॉरपोरेट क्षेत्र के बीच एक अच्छा पुल बन सकती हैं, जो बड़े निवेश वाले कारोबारी परिसरों की सुरक्षा के लिए सही उम्मीदवारों की तलाश कर रहे हैं। अ धिकारी ने कहा कि सेना की संक्षिप्त सेवा पूरी करने के बाद अग्निवीरों को निजी क्षेत्र में लाभकारी रोजगार मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतिभाओं की बहुत मांग है। उन्हें एक सप्ताह भी बेकार नहीं बैठना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कंपनी ने एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी को नियुक्त किया है, जिसे सेना में अपने कार्यकाल के दौरान अग्निवीर योजना को संभालने का अनुभव है। कंपनी वर्तमान में 5,800 से अधिक सुरक्षा कर्मियों को रोजगार देती है। क्रिस्टल इंटीग्रेटेड सर्विसेज ने 24 साल पहले कार्यालय और आवासीय परिसरों में सुरक्षा प्रदाता के रूप में शुरुआत की थी।

कर्नाटक में नौकरियों में कोटा से नाराज हुआ उद्योग जगत

- कर्नाटक के मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक इस विधेयक को फिलहाल टाल दिया गया है

नई दिल्ली ।

कर्नाटक सरकार के उस विधेयक पर उद्योग जगत नाराज है जिसके तहत निजी क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए प्रबंधन की नौकरियों में 50 फीसदी और गैर-प्रबंधन नौकरियों में 75 फीसदी आरक्षण देने की बात कही गई है। इस विधेयक को उद्योग जगत के नेताओं और उद्योग संगठनों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय आईटी कंपनियों के प्रतिनिधि संगठन नैसकॉम ने इस फैसले को काफी चिंताजनक करार दिया है। हालांकि कर्नाटक के मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि इस विधेयक को फिलहाल टाल दिया गया है। नैसकॉम ने एक बयान में कहा है कि कर्नाटक स्टेट एम्प्लॉयमेंट ऑफ लोकल इंडस्ट्रीज फैक्टरीज इस्टाब्लिशमेंट ऐक्ट बिल, 2024 के बारे में उसके सदस्यों ने काफी निराशा और चिंता जताई है। राज्य मंत्रिमंडल ने मंगलवार को इस विधेयक को मंजूरी दी थी। अब इसे विधानमंडल के मौजूदा सत्र में ही पेश किए जाने की संभावना है। म णिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि इस विधेयक को रद्द कर देना चाहिए। यह भेदभावपूर्ण, पीछे की ओर लौटने वाला और संविधान के खिलाफ है। बायोकॉन की एक कार्यकारी चेयरपर्सन ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में लिखा है, प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में हमें कुशल प्रतिभा की आवश्यकता है। हमारा उद्देश्य स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करना है। हमें इस कदम से प्रौद्योगिकी में अपनी अग्रणी स्थिति को प्रभावित नहीं करना चाहिए। ऐसे प्रावधान होने चाहिए ताकि अत्यधिक कुशल कर्मचारियों की नियुक्ति को इस नीति से छूट मिल सके।

नैसकॉम ने कहा कि कर्नाटक के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए प्रौद्योगिकी क्षेत्र काफी अहम रहे हैं। बेंगलुरु को दुनिया भर में भारत का सिलकन वैली कहा जाता है। मगर इस प्रकार के विधेयक को देखकर काफी निराशा होती है जो उद्योग की वृद्धि, रोजगार और राज्य के लिए वैश्विक ब्रांड को प्रभावित करेगा। यह विधेयक निजी क्षेत्र में निचले पदों पर स्थानीय लोगों के लिए 100 फीसदी आरक्षण का प्रावधान करता है। इसके अलावा यह प्रबंधन के पदों पर 50 फीसदी और गैर-प्रबंधन पदों पर 75 फीसदी कन्नड़ लोगों को नियुक्त करने का निर्देश देता है। एसोचैम कर्नाटक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में इस विधेयक को अदूरदर्शी करार दिया। उन्होंने लिखा, कर्नाटक सरकार का एक अन्य मेधावी पहल। स्थानीय

सैनस्टार का आईपीओ 19 जुलाई को खुलेगा

- कंपनी इश्यू के जरिए 510.15 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में

नई दिल्ली ।

सैनस्टार लिमिटेड का आईपीओ 19 जुलाई को का खुलेगा। इस इशे यू के शेयरों के लिए निवेशक 23 जुलाई तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी इश्यू के जरिए 510.15 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है। ग्रे मार्केट में सैनरे टार लिमिटेड आईपीओ के अनलिस्टेड शेयरों को अच्छे छा रिस्पॉस मिल रहा है और ये 43 फीसदी प्रीमियम पर कारोबार कर रहे हैं। सैनस्टार आईपीओ का प्राइस बैंड प्रति शेयर 90-95 रुपये है। सैनस्टार भारत में प्लांट-बेस्ड स्पेशियलिटी प्रोडक्ट्स और इनग्रेडिएंट्स सॉल्यूशन के प्रमुख निर्माताओं में से एक है। महाराष्ट्र के धुले और गुजरात के कच्छ में कंपनी की फैक्ट्रियां हैं। इसके प्रोडक्ट्स में लिक्विड ग्लूकोज, ड्रा इड ग्लूकोज सॉलिड्स, माल्टोडेक्सट्रिन पाउडर, डेक्सट्रोज मोनोहाइड्रेट, देशी मक्का स्टार्च, ग्लूटेन, फाइबर और समृद्ध प्रोटीन जैसे को-प्रोडक्ट शामिल हैं। आईपीआई के तहत 397.10 करोड़ रुपये के 4.18 करोड़ फ्रेश इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे।

इसके अलावा 113.05 करोड़ रुपये के 1.19 करोड़ शेयरों की बिक्री ऑफर फार से के जरिए की जाएगी। अहमदाबाद स्थित इस कंपनी ने अपने इश्यू का आधा हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए, 35 फीसदी रिटेल निवेशकों के लिए और शेष 15 फीसदी शेयर नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए आरक्षित किया है। ग्रे मार्केट में इस आईपीओ की जबरदस्त डिमांड है। अनलिस्टेड मार्केट में 17 जुलाई को यह इश्यू 41.50 रुपये प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। इस तरह अपर प्राइस बैंड के हिसाब से कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 136.5 रुपये के भाव पर होने की संभावना है। अगर ऐसा होता है तो निवेशकों को 43.68 फीसदी का तगड़ा मुनाफा होगा। लेकिन यह जरूरी नहीं है कि अगर किसी आईपीओ के शेयर ग्रे मार्केट में प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हों तो उनकी लिस्टिंग भी प्रीमियम पर ही हो। इसका विपरीत भी हो सकता है।

सैमसंग के नए फोल्डेबल्स स्मार्टफोन के लिए 40 फीसदी से ज्यादा की हुई प्री-बुकिंग

-कंपनी के उपाध्यक्ष ने कहा- भारत के यूजर नई तकनीक को सबसे पहले अपनाने वाले

नई दिल्ली।

सैमसंग ने छठी पीढ़ी के फोल्डेबल स्मार्टफोन गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 के लिए रिकॉर्ड प्री-ऑर्डर की घोषणा की है। पहले 24 घंटों में गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और जेड फ्लिप6 के लिए प्री-बुकिंग पिछली पीढ़ी की तुलना में 40फीसदी ज्यादा हुए। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के उपाध्यक्ष ने कहा कि हम भारत में अपने नए फोल्डेबल गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 के लिए यूजर्स की प्रतिक्रिया से खुश हैं। नए फोल्डेबल स्मार्टफोन के लिए प्री-ऑर्डर में 1.4 गुना वृद्धि बताती है कि भारत के यूजर नई तकनीक को सबसे पहले अपनाने वालों में से हैं। उन्होंने कहा नए फोल्डेबल स्मार्टफोन में गैलेक्सी एआई का अनुभव यूजर्स को नई कंचाइयों पर ले जाते हैं। साथ ही गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 के अलावा सैमसंग ने एआई-इन्फ्यूज्ड गैलेक्सी इकोसिस्टम उत्पाद गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा गैलेक्सी वॉच7 और गैलेक्सी बड्स3 सीरीज भी लॉन्च की है जिनके प्री-ऑर्डर 10 जुलाई से शुरु हो चुके हैं।

फैक्ट्री में किया जा रहा है। नए फोल्डेबल अब तक के सबसे पतले और हल्के गैलेक्सी जेड सीरीज डिवाइस हैं और सिमिट्रिकल डिजाइन के साथ आते हैं। गैलेक्सी जेड सीरीज भी बेहतर आर्मर एल्युमिनियम और कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस दो से लैस है, जो इसे अब तक की सबसे टिकाऊ गैलेक्सी जेड सीरीज बनाता है। गैलेक्सी जेड फोल्ड6 में बड़ी स्क्रीन का इस्तेमाल करने और आपकी उत्पादकता को बढ़ाने के लिए एआई-संचालित सुविधाओं और उपकरणों की एक सीरीज दी है जिसमें नोट असिस्ट, कंपोजर, स्केच टू इमेज, इंटरप्रेटर, फोटो असिस्ट और इंस्टेंट स्लो-मो शामिल है। गैलेक्सी जेड फोल्ड6 की शुरुआती कीमत 164,999 रुपय इसमें 12जीबी+256जीबी) है, जबकि गैलेक्सी जेड फ्लिप6, 109,999 रुपए इसमें 12जीबी+256जीबी दी गई है। गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 के अलावा सैमसंग ने एआई-इन्फ्यूज्ड गैलेक्सी इकोसिस्टम उत्पाद गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा गैलेक्सी वॉच7 और गैलेक्सी बड्स3 सीरीज भी लॉन्च की है जिनके प्री-ऑर्डर 10 जुलाई से शुरु हो चुके हैं।

एल्युमीनियम कबाड़ आयात पर शून्य शुल्क की मांग

नई दिल्ली ।

बजट से पहले पुनर्चक्रण उद्योग निकाय एआई ने सरकार से एल्युमीनियम कबाड़ पर आयात शुल्क हटाने की मांग करते हुए कहा कि इससे उद्योग में स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। मैटीरियल रिसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमआरएआई) के अनुसार एल्युमीनियम कबाड़ (स्क्रैप) की पुनर्चक्रण प्रक्रिया से प्रति टन उत्पादन पर केवल तीन लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होता है, जबकि स्मेल्टर के जरिये एक मीट्रिक टन एल्युमीनियम के उत्पादन पर 14 टन कार्बन उत्सर्जन होता है। इसमें बिजली आपूर्ति के लिए कोयला आधारित क्षमता बनाए रखना शामिल है। एआई ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे पत्र में कहा कि भारतीय एल्युमीनियम पुनर्चक्रण उद्योग के सामने सबसे बड़ी चुनौती एल्युमीनियम कबाड़ पर 2.5 प्रतिशत आयात शुल्क है। यह एल्युमीनियम पुनर्चक्रण के लिए एक प्रमुख कच्चा माल है और सरकार को इसे तब तक शून्य करना चाहिए जब तक कि घरेलू बाजार में गुणवत्तापूर्ण सामग्री (कबड़ा) पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध न हो जाए।

वित्त मंत्री 23 जुलाई को संसद में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण केंद्रीय बजट पेश करेंगी। भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की अनुमानित उच्च वृद्धि तथा महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचे के विकास के कारण अगले कुछ वर्षों में एल्युमीनियम की मांग काफी अधिक होने वाली है। एआई के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि एल्युमीनियम कबाड़ पर आयात शुल्क लगाना प्रतिगामी हो सकता है और इससे सतत लक्ष्यों तक पहुंचने के हमारे प्रयासों में कमी आएगी। निकाय ने तांबा तथा पीतल कबाड़ पर भी शून्य शुल्क की मांग की है, जिन पर वर्तमान में 2.5 प्रतिशत शुल्क लगता है। जस्ता तथा सीसा पर पांच प्रतिशत आयात शुल्क है।

महिला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट : पाकिस्तान के खिलाफ आज जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

दुबई (एजेंसी)। दाम्बुला (ईएमएस)। भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीमें शुक्रवार को यहां एशिय कप क्रिकेट टूर्नामेंट में मुकाबला करेंगी। इसमें गत विजेता भारतीय महिला जीत से शुरुआत करना चाहेंगी। इसमें भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है क्योंकि हाल में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई सीरीज से लक्ष्य हासिल कर ली है। भारतीय टीम की स्मृति मंधाना के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित सभी खिलाड़ी अच्छी लय में हैं। ये टूर्नामेंट इसलिए भी अहम है क्योंकि इसे अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिये अहम माना जा रहा है। आंकड़ों पर नजर डालें ओ हरमनप्रीत की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने एशिया कप में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने चार में से तीन टी20 खिताब के साथ ही चारों बार एकदिवसीय ओवरों के प्रारूप को भी जीता है। महिला एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में भारत ने आज तक 20 में से 17 मैच जीते हैं। उसने 2022 में हुए फाइनल में बांग्लादेश को हराया

था। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम ने अब तक इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में 11 मुकाबले जीते हैं। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य अपनी जीत के सिलसिले को बनाये रखना है। इस माह की शुरूआत में भारत का तीन मैचों की टी20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा।

वहीं दूसरी ओर पाक टीम को कुछ समय पहले ही इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका मनोबल गिरा हुआ है और टीम जब एशिया कप में उतरेगी उसपर जीत का भारी दबावा रहेगा। टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी लय में नहीं है। ऐसे में उसके लिए इस मुकाबले में काफी कम संभावनाएं हैं। भारत के पास जहां बल्लेबाजी में मंधाना और हरमनप्रीत जैसी खिलाड़ी हैं। वहीं तेज गेंदबाज के तौर पर पूजा वस्त्राकर हैं। पूजा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों में आठ विकेट लिए जबकि स्पिनर राधा यादव ने भी विरोधी टीम पर अंकुश लगा दिया था। ऐसे में पूजा और राधा का सामना करना पाक बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। भारतीय टीम के पास राधा के अलावा स्पिनरों में दीप्ति शर्मा, सजीवन साजना और श्रेयांका पाटिल जैसी खिलाड़ी हैं। वहीं पाकिस्तान की टीम निदा दर की कप्तानी में उतरेगी। टीम में इसके अलावा भी काफी बदलाव हुए हैं। ईरम जावेद, ओमैमा सोहेल और सैयदा आरूब शाह को पहली बार टीम में शामिल किया गया है जबकि तस्मिया रूबाब को पहली बार टीम में जगह मिली है। कुल मिलाकर देखा जाये तो भारतीय टीम का पलड़ा इस मैच में भारी रहेगा।

टीम

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, अरूंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, डी हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयांका पाटिल, संजीवन साजना।

पाकिस्तान : निदा दार (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, फातिमा सना, गुल फिरोजा, ईरम जावेद, मुनीबा अली, नजीहा अल्वी, नाशरा संधू, ओमैमा सोहेल, सादिया इकबाल, सिदरा अमीन, सैयदा अरूब शाह, तस्मिया रूबाब, तूबा हसन।

शिखर धवन बने मोटोजीपी के ब्रांड एंबेसडर

मुम्बई (एजेंसी)। यूरोस्पोर्ट इंडिया ने भारत में मोटोजीपी के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में भारतीय क्रिकेट आइकन शिखर धवन की नियुक्ति की आज घोषणा की। धवन यूरोस्पोर्ट इंडिया के अभियान, 'फेस कर रेस कर' के जरिए रेसिंग के प्रति अपने जुनून का प्रदर्शन करेंगे।

धवन ने कहा, 'प्रतिष्ठित मोटोजीपी के साथ इसके भारत के राजदूत के रूप में साझेदारी करना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारत में मोटोजीपी को लेकर बढ़ता उत्साह वास्तव में रोमांचकारी है, और यह मेरे लिए एक पूर्ण-चक्र क्षण जैसा है, खासकर जब मैं अपने गृहनगर, दिल्ली की सड़कों पर अपनी पसंदीदा बाइक की सवारी करने के अपने दिनों को याद करते हुए सोचता हूं। इस जीवंत शहर में जन्मे और पले-बढ़े एक क्रिकेटर के रूप में मेरी यात्रा यूरोस्पोर्ट इंडिया के माध्यम से इस नई भूमिका के साथ एक व्यक्तिगत संबंध जोड़ेगी।'

2024 मोटोजीपी सीजन में अब तक 9 रेस हो चुकी हैं। यूरोप, एशिया और डाउन अंडर में 11 और दौड़ें निर्धारित हैं, जिनका समापन दो अगस्त से सिल्वरस्टोन में ब्रिटिशजीपी के साथ होगा। मौजूदा 2024 सीजन के लीडर, फ्रांसेस्को बगानिया (डुकाटी लेनोवो टीम) को जॉर्ज मार्टिन (प्रामैक डुकाटी) पर केवल 10 अंकों की बढ़त के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

जय शाह बनाये जा सकते हैं आईसीसी के अगले चेयरमैन

कोलंबो (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का यहां शुक्रवार से चार दिवसीय वार्षिक सम्मेलन शुरु होगा। इसमें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चेयरमैन बनने की संभावनाएं हैं। ये कहा जा रहा है कि शाह न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह संस्था के अगले प्रमुख बन सकते हैं। इस बैठक में अमेरिका में टी20 विश्व कप मैचों की मेजबानी में दो करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के नुकसान पर भी बात होगी। आईसीसी की सदस्यता, एसोसिएट सदस्यों की बैठक की रिपोर्ट और आईसीसी विकास पुरस्कार प्रस्तुति पर चर्चा के साथ-साथ आईसीसी के नए बाहरी लेखा परीक्षक की नियुक्ति पर भी इस बैठक में बात होगी। इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के पाकिस्तान नहीं जाना का भी मामला इसमें उठेगा। आईसीसी के एक अधिकारी ने कहा कि आईसीसी में सभी की मुख्य रूप से रुचि इस बात में है कि शाह संस्था की कमान कब संभालेंगे। बीसीसीआई सचिव के रूप में अभी उनका कार्यकाल एक साल शेष है जिसके बाद संविधान के अनुसार भारतीय बोर्ड में उनका ब्रेक (कूलिंग ऑफ पीरियड) 2025 में शुरू होगा। हालांकि अगर वह 2025 में आईसीसी चेयरमैन संभालते हैं तो बार्कले दिसंबर 2024 से दिसंबर 2026 तक दो साल का अपना तीसरा कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे।

'ड्रिंक्स अंतराल का मजाक बन गया', गावस्कर बोले- 'अनौपचारिक' ड्रिंक ब्रेक को खत्म करें

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने अधिकारियों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तेज गेंदबाजों के लिए अनौपचारिक ड्रिंक ब्रेक को खत्म करने के लिए कहा है। उल्लेखनीय है कि खेल के दौरान आधिकारिक ड्रिंक ब्रेक के अलावा, टीमें अपने तेज गेंदबाजों को हाइड्रेट रखने के लिए सीमा रेखा के पास ड्रिंक भी उपलब्ध कराती हैं। इस पर अपने विचार देते हुए गावस्कर को लगता है कि अधिकारियों ने इस अभ्यास पर आंखें मूंद ली हैं। 75 वर्षीय गावस्कर ने खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर पर भी सवाल उठाया कि उन्हें सिर्फ छह गेंदों के बाद हाइड्रेशन की जरूरत होती है, जबकि बल्लेबाजों को आधिकारिक ड्रिंक ब्रेक तक इंतजार करना पड़ता है।

गावस्कर ने स्पोर्टस्टार के लिए अपने कॉलम में लिखा, 'क्रिकेट में, गेंदबाजों, खासकर तेज गेंदबाजों द्वारा ओवर पूरा करने के बाद बाउंड्री लाइन पर ताजा पेय लेने की आधुनिक प्रथा अधिकारियों द्वारा इस प्रथा की अनदेखी का एक उदाहरण है। अगर गेंदबाज छह गेंदों पर पूरी ताकत लगाने के बाद खुद को हाइड्रेट करने जा रहे हैं, तो ड्रिंक्स अंतराल क्यों है? ध्यान रहे, बल्लेबाज को ओवर के बाद ड्रिंक लेने का मौका नहीं मिलता जिसमें उन्होंने आठ या उससे ज्यादा रन लिए हों, जो सभी रन हैं।' गावस्कर ने पहले आईसीसी द्वारा चोटिल बल्लेबाजों के लिए रनर की अनुमति देने के नियम को समाप्त करने के बाद गेंदबाजों के लिए ड्रिंक्स ब्रेक को खत्म करने का सुझाव दिया था। गावस्कर ने सख्त नियम बनाने का सुझाव देते हुए कहा, 'क्रिकेट भी एक ऐसा खेल है जिसमें सहनशक्ति और धीरज मायने रखता है, चाहे कोई भी प्रारूप हो, इसलिए स्पष्ट रूप से, इसे उन दिनों की तरह वापस जाना चाहिए जब खेल के हर घंटे के बाद ही ड्रिंक्स ली जाती थी और उससे पहले केवल विपक्षी कप्तान और अंपायरों की अनुमति से ही ड्रिंक्स ली जाती थी। एक बार जब अंपायरों ने दूसरी तरफ देखा और एक गेंदबाज को ऐसा करने की अनुमति दी, तो यह एक चलन बन गया जिससे ड्रिंक्स अंतराल का मजाक बन गया।' उन्होंने अपने कॉलम में अंत में कहा, 'तीसरे अंपायर और मैच रेफरी को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि रिजर्व खिलाड़ी अपने साथी को ड्रिंक देने के लिए मैदान में न जाए बल्कि सीमा रेखा के बाहर रहे।'

रिंकू में अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने की क्षमता : कोच विक्रम राठौर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर का मानना है कि रिंकू सिंह टेस्ट में भी बेहतरीन बल्लेबाजी कर सकते हैं। रिंकू ने पिछले आईपीएल में अपने प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में जगह बनायी थी उसके बाद से ही वह लगातकर बेहतर प्रदर्शन कर सीमित ओवरों के प्रारुप में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं हालांकि उन्हें अभी तक टेस्ट खेलने का अवसर नहीं मिला है। राठौर का मानना है कि बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के पास टेस्ट टीम में जगह बनाने की पर्याप्त क्षमताएं है। राठौर ने कहा कि अगर उन्हें अवसर दिया जाए तो रिंकू निश्चित रूप से लाल गेंद के प्रारूप में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। राठौर ने कहा, जब मैं रिंकू को नेट्स में बल्लेबाजी करते हुए देखता हूं, तो मुझे ऐसा कोई तकनीकी कारण नहीं दिखता कि रिंकू टेस्ट बल्लेबाज के तौर पर सफल नहीं हो सकते।

मुझे लगता है कि उन्होंने टी20 क्रिकेट में एक बेहतरीन फिनिशर के रूप में अपनी पहचान बनाई है पर अगर आप उनके प्रथम श्रेणी के रिकॉर्ड को देखें, तो उनका औसत 50 से ऊपर है। इसी प्रकार का औसत टेस्ट के लिए चाहिये होता है। उन्होंने साथ ही कहा, रिंकू बहुत शांत स्वभाव के भी हैं। इसलिए अगर उन्हें अवसर दिया जाए, तो वह अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनकर उभरेंगे।

26 के हुए ईशान किशन, जन्मदिन पर पूजा-पाठ करते दिखे

मुम्बई। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन आज 26 साल के हो गये। इस अवसर पर ईशान भगवान की भक्ति करते दिखे। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर कुछ विशेष तस्वीरें भी साझा की है। इन पर पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी कहा कि मैं उन्हें शीघ्र मैदान पर खेलते देखना चाहता हूं। ईशान को पिछले साल घरेलू क्रिकेट की अपेक्षा के कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम से बाहर रखने के साथ ही केन्द्रीय अनुबंध तक नहीं दिया है। वह पिछले साल दक्षिण अफ्रीका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे पर निजी कारणों से उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था। उन्होंने पिछले साल नवंबर में भारत के लिए अंतिम बार टी20 मैच खेला था, जिसमें वह झारखंड के खिलाफ रणजी मैच से बाहर रहे थे।

हाल ही में समाप्त हुए जिम्बाब्वे दौरे पर भी उन्हें अवसर नहीं मिला। ऐसे में ईशान अब टीम में वापसी के लिए जमकर अभ्यास कर रहे हैं। साथ ही वो पूजा-पाठ में भी मग्न दिखे। ईशान साईं बाबा की पूजा करते दिख रहे हैं। इन तस्वीरों को ईशान ने सोशल मीडिया में साझा किया है। इस पोस्ट पर कमेंट में पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज ने ओम साईं राम लिखा है। भक्ति की इन तस्वीरों से पहले इस क्रिकेटर के अभ्यास की भी तस्वीरें सामने आई। उनके लिए हालांकि टीम में वापसी करनर आसान नहीं होगा। इसलिए उन्हें पहले घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वहां अच्छा परफॉर्म करने के बाद ही वो फिर से टीम में जगह बना सकते हैं।

विराट कोहली की ब्रांड वैल्यू में भारी इजाफा, शाहरुख-रणवीर को पछाड़ बने सबसे महंगे सेलिब्रिटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट आइकन विराट कोहली बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान और रणवीर सिंह को पछाड़कर भारत के सबसे महंगे सेलिब्रिटी बन गए हैं। ब्रांड की सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट 2023 के अनुसार कोहली की ब्रांड वैल्यू में 29त्न की वृद्धि हुई है, जो 227.9 मिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। यह उल्लेखनीय वृद्धि कोहली को भारत की सबसे मूल्यवान हस्तियों की सूची में शीर्ष स्थान पर ले जाती है।

रिपोर्ट सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट के क्षेत्र में दिलचस्प पैटर्न पर प्रकाश डालती है, जो ब्रांडों के साथ सेलिब्रिटीज के जुड़ाव में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाती है। साल-दर-साल तुलना में शीर्ष 20 हस्तियों ने अपने द्वारा प्राप्त ब्रांड एंडोर्समेंट की संख्या में 14.2प्र. की वृद्धि देखी, यह प्रवृत्ति विज्ञापन उद्देश्यों के लिए टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर बढ़ते जोर के कारण है। विराट कोहली एंडोर्समेंट परिदृश्य पर हावी हैं, 227.9 मिलियन डॉलर के ब्रांड मूल्य पर कब्जा

करते हुए सर्वोच्च स्थान हासिल किया।

रणवीर सिंह 203.1 मिलियन डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ दूसरे स्थान पर हैं जो उनकी पिछली स्थिति से थोड़ा बदलाव को दर्शाता है। शाहरुख खान ने महत्वपूर्ण प्रगति की है, वे 120.7 मिलियन डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जो एक महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है और उनकी स्थायी अपील और विपणन क्षमता को दर्शाता है। अक्षय कुमार 111.7 मिलियन डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ चौथे स्थान पर बने हुए हैं, जो उद्योग के भीतर उनकी स्थिर पकड़ को दर्शाता है। आलिया भट्ट एक प्रमुख हस्ती बनी हुई हैं, जो 101.1 मिलियन डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं, जो एंडोर्समेंट क्षेत्र में उनके निरंतर प्रभाव को दर्शाता है।

सबसे वेल्यूएबल सेलिब्रिटीज की लिस्ट

विराट कोहली: 227.9 मिलियन डॉलर
रणवीर सिंह : 203.1 मिलियन डॉलर
शाहरुख खान : 120.7 मिलियन डॉलर
अक्षय कुमार : 111.7 मिलियन डॉलर
आलिया भट्ट - 101.1 मिलियन डॉलर

पेरिस ओलंपिक सेमीफाइनल पर तैराक श्रीहरि नटराज की नजरें

नई दिल्ली । पिछले साल राष्ट्रीय खेलों में आठ स्वर्ण समेत दस पदक जीतने वाले भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज 2017 से लगातार खेल रहे हैं और कड़े अभ्यास से थककर आखिर उन्हें कुछ समय का ब्रेक लेना पड़ा। नटराज ने कहा, 'मुझे आराम की जरूरत थी क्योंकि 2023 सत्र काफी व्यस्त था जिसमें इतने सारे टूर्नामेंट थे। मुझे लगा कि अगर ब्रेक नहीं लिया तो शरीर टूट जाएगा।' उन्होंने कहा, 'इससे चोट का भी डर रहता था अभ्यास की इच्छा ही मर जाती। शरीर पर काफी दबाव था लिहाजा मैंने कुछ समय का ब्रेक ले लिया।' ब्रेक के बाद तरोताजा होकर 23 बरस के नटराज दूसरा ओलंपिक खेलने को तैयार हैं जिसमें वह सौ मीटर बैकस्ट्रोक में भाग लेंगे।

'यूनिवर्सिलिटी कोटा' से ओलंपिक जा रहे नटराज ने तोक्यो ओलंपिक के लिए सरधे क्वालीफाई किया था। यूनिवर्सिलिटी कोटा के तहत जिस देश के तैराक सीधे क्वालीफाई नहीं कर सके हों , उनके सर्वोच्च रैंकिंग वाले दो तैराकों को ओलंपिक खेलने का मौका मिलता है। नटराज ने कहा, 'यह निराशाजनक था कि मैं सीधे क्वालीफाई नहीं कर सका लेकिन इसे लेकर चिंतित नहीं हूं। मुझे कोटा मिल गया है और अब या तो मैं अपने अभ्यास पर फोकस कर सकता हूं या इसका दुख मना सकता हूं कि मुझे सीधे क्वालीफिकेशन नहीं मिला। मैं अभ्यास पर फोकस कर रहा हूं।' ब्रेक से लौटने के बाद उन्होंने स्पेन और फ्रांस में मेयर नोस्ट्रम मीट में दो रजत पदक जीते।

विश्व सुपरबाइक चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले पहले भारतीय बने क्विंटल

चेन्नई । राइडर केविन क्विंटल विश्व एसबीके एसएसपी300 प्रतियोगिता में ऐतिहासिक पदार्पण करने को तैयार हैं जिससे वह विश्व सुपरबाइक चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले पहले भारतीय राइडर बन जाएंगे। आयरिश टीम '109 रेट्रो ट्रैफिक कावासाकी' और इसकी प्रबंधन कंपनी 'गामन रेसिंग स्लोबल सर्विस' ने क्विंटल को यह मौका मुहैया कराया जिससे उनकी एसएसपी प्रतियोगिता में चौथे दौर के लिए प्रविष्टि स्वीकार ली गई। यह एसएसपी स्पर्धा शुक्रवार को चेक गणराज्य के मोस्ट में शुरू होगी। चेन्नई के 19 साल के स्टार क्विंटल आयरलैंड की टीम के मुख्य राइडर स्पेन के डेनियल मोगेज की जगह लेंगे जिन्हें सुपरस्पोर्ट 300 क्लास के बाद एक दुर्घटना में चोट लग गई थी। इसके बाद ही आयरिश टीम ने भारतीय राइडर को शामिल किया। क्विंटल इस समय यूरोपीय स्टॉक चैम्पियनशिप और एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

ओलंपिक के लिए एथलेटिक्स की तैयारियों पर सबसे अधिक , धुड़सवारी पर हुआ सबसे कम खर्च

नई दिल्ली । 27 जुलाई से शुरु हो रहे पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ी पदक की उम्मीदों के साथ पहुंच रहे हैं। इस बार कुल 118 खिलाड़ी इन खेलों में भारत का प्रतिनिधित्वि करेंगे। इस बार खेल मंत्रालय ने भी पेरिस ओलंपिक की तैयारियों पर पहले से कई गुना अधिक रकम खर्च की है। एथलेटिक्स पर ही रिकॉर्ड 470 करोड़ रुपये खर्च किए हैं जबकि धुड़सवारी पर सबसे कम 95 लाख रुपये खर्च किये गये हैं। एथलेटिक्स के बाद दूसरे नंबर पर बैडमिंटन को सबसे ज्यादा रकम करीब 72.02 करोड़ रुपये मिले है। इसके बाद तीसरे स्थान पर मुक्केबाजी को 60.93 करोड़ रुपये और चौथे स्थान पर निशानेबाजी को 60.42 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं पिछली बार कांस्य जीतने वाली पुरुष हॉकी टीम को इस बार केंद्र सरकार ने 41.29 करोड़ रुपये दिए हैं जबकि तीरंदाजी को 39.18 करोड़ रुपये वह कुश्ती को 37.80 करोड़ रुपये और भारोत्तोलन को 26.98 करोड़ रुपये मिले है। इससे पहले हुए टोक्यो ओलंपिक में खेल मंत्रालय का बजट काफी कम था। तब भारत ने कुल सात पदक जीते थे। वहीं भारत को भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण दिलाया था। इस जीत के बाद से ही खेल मंत्रालय ने एथलेटिक्स की तैयारियों पर जमकर खर्च किया है। इस बार एथलेटिक्स पर करीब 96.08 करोड़ रुपये खर्च किए। यह किसी भी खेल को दी गयी सबसे अधिक राशि है। वहीं पिछली बार एथलेटिक्स को केवल 5.38 करोड़ रुपये मिले थे पर नीरज की जीत से उत्साहित खेल मंत्रालय ने एथलेटिक्स को 18 गुना ज्यादा रकम दे दी।

ओलंपिक : परिवार ही नहीं, पूरे गांव का अधूरा सपना सच करने के लिए खेलेंगे 'गाजीपुर के राजकुमार'

नई दिल्ली (एजेंसी)। करीब तीन हजार की आबादी वाले करमपुर गांव से हॉकी स्टिक थामकर सैकड़ों लड़कों ने ओलंपिक खेलने का सपना देखा लेकिन इसे पूरा करने का मौका सिर्फ राजकुमार पाल को मिला है और 'गाजीपुर के राजकुमार' के नाम से मशहूर मिडफील्डर की ख्वाहिश पेरिस में अच्छा प्रदर्शन करके हर एक अधूरे सपने को पूरा करने की है।

वाराणसी से करीब 40 किलोमीटर दूर गाजीपुर के गांव करमपुर के मेघबरन स्टेडियम पर हॉकी का ककहरा सीखने वाले बच्चों के प्रेरणास्रोत बन गए हैं राजकुमार। एक ऐसा गांव जहां से 400 से अधिक लड़कों को हॉकी के जरिए रोजगार तो मिला लेकिन भारत की नुमाइंदगी का मौका नहीं। इनमें राजकुमार के दोनों भाई जोखन और राजू भी शामिल हैं जो देश के लिए नहीं खेल पाए।

400 लड़कों को रोजगार तो मिला लेकिन भारत की नुमाइंदगी का मौका नहीं

राजकुमार ने अपने पहले ओलंपिक के लिए रवाना होने से पहले इंटरव्यू में कहा, 'हम तीनों भाई हॉकी खेलते हैं। बीच वाले भाई भारतीय टीम के शिविर में रह चुके हैं और बड़े भाई राष्ट्रीय स्तर पर खेले हैं। दोनों भारत के लिए नहीं खेल सके और अब एक रेलवे से और एक सेना से खेलते हैं।' अभावों के बीच अपने कोच तेज बहादुर सिंह की मदद से हॉकी के शौक को परवान चढ़ाने वाले 26 वर्ष के इस मिडफील्डर ने कहा, 'मेरे गांव के मैदान से 400 से ज्यादा लड़कों को हॉकी के जरिए नौकरी मिल गई लेकिन इस स्तर पर कोई नहीं खेला। मेरे गांव के लोगों की नजरें मुझ पर है और मैं अपने भाइयों और उन सभी के अधूरे सपने पूरा करने के लिए पेरिस में कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा।'

10 साल की उम्र में शुरुआत

दस बरस की उम्र में करमपुर के मेघबरन स्टेडियम से हॉकी के अपने सफर की शुरूआत करने वाले राजकुमार ने 2018 में बेल्जियम में पांच देशों के अंडर 23 टूर्नामेंट में खेला और 2020 में भारतीय टीम में पदार्पण किया। अब तक 53 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके राजकुमार के पिता कल्पनाथ का 2011 में एक सड़क हादसे में निधन हो गया था। राजकुमार ने कहा, 'वह दो साल परिवार के लिए बहुत कठिन थे और मुझे लगा था कि अब आगे नहीं खेल पाऊंगा लेकिन मेरे परिवार ने हार नहीं मानी।

अतीत से मिलती है प्रेरणा

तोक्यो ओलंपिक में मेरा चयन नहीं हो सका था लेकिन उससे निराश हुए बिना मेहनत की तो अब पेरिस जा रहा हूं। जब पेरिस में मैदान पर उतरूंगा तो यह सब कुर्बानियां याद रखूंगा।' उन्होंने कहा, 'जब ओलंपिक टीम में चयन की खबर मिली थी तो अपना अतीत याद करके मेरे आंसू निकल गए और पिताजी को बहुत याद किया। घर पर फोन किया तो मम्मी भी रो पड़ी थी। मैं अपने अतीत को कभी नहीं भूलता और इससे प्रेरणा मिलती है।'

एशिया कप (जकार्ता 2022) और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी (ढाका 2021) में कांस्य पदक विजेता रही भारतीय टीम के सदस्य राजकुमार ने कहा कि पहला ओलंपिक खेलने का कोई दबाव वह महसूस नहीं कर रहे। उन्होंने कहा, 'बड़ी टीमों के खिलाफ पहले भी खेला हूं तो उतना दबाव नहीं है। लेकिन पहला ओलंपिक होने से थोड़ा नर्वस होता हूं तो पी आर श्रीजेश, कप्तान हरमनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह जैसे सीनियर खिलाड़ियों से बात करता हूं। ये लोग काफी मदद करते हैं।'

बीरेंद्र लाकड़ा और सरदार सिंह को मानते हैं आदर्श

बीरेंद्र लाकड़ा और सरदार सिंह को अपना आदर्श मानने वाले इस खिलाड़ी ने कहा, 'हम खेल के हर विभाग में पूरी तैयारी के साथ जा रहे हैं। हर छोटी बारीकी पर काम किया है और प्रो लीग में जो गलतियां हुई हैं, उस पर सुधार के लिए काफी मेहनत की है। वीडियो देखकर अपनी गलतियों का पता लगाया है और कोच, सीनियर खिलाड़ियों की मदद से उन पर काम किया है।'

चकाचौंध पर अभी ध्यान नहीं

ओलंपिक खेलगांव में रहने को लेकर कितने रोमांचित हैं, यह पूछने पर उन्होंने कहा, 'हमारा फोकस सिर्फ अपने मैचों पर है। ओलंपिक खेलगांव में बड़े बड़े सितारे होंगे लेकिन उस चकाचौंध पर अभी ध्यान नहीं है। हमें बस पदक का रंग बदलना है और अपने गांव को ओलंपिक पदक विजेता का गांव बनाना है।'

'प्राकृतिक कृषि' श्रृंखला-3: सूरत जिला: जैविक खेती कृत्रिम उर्वरकों और कीटनाशकों के निरंतर उपयोग से मिट्टी और फसलों पर होने वाले प्रतिकूल प्रभावों को समाप्त करती है

सुरत । 'माता भूमि पुत्रोम वृचिच्व:' अथर्ववेद के इस श्लोक के अनुसार पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं। लेकिन उत्पादन बढ़ाने के लिए सिंथेटिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग के परिणामस्वरूप मिट्टी, पर्यावरण, फसल और संपूर्ण जीवित जीवों में असंतुलन पैदा हो गया है। खेती में रासायनिक और जहरीली दवाओं के कारण मिट्टी, फसल और पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बिगड़ती स्थिति को सुधारने के लिए राज्य सरकार किसानों से प्राकृतिक खेती करने का पुरजोर आह्वान कर रही है।

गाय आधारित कृषि प्रणाली में गाय के गोबर और मूत्र से जैव-मृत, घनजीवा-मृत और बीजामृत को खाद के रूप में तैयार किया जाता है। वैज्ञानिक शोध के अनुसार गाय के 1 ग्राम गोबर में 300 से 500 करोड़ बैक्टीरिया पाए जाते हैं। जो जर्सी गाय के अनुपात में बहुत अधिक है, इसके उपयोग से फसलों और मिट्टी की उर्वरता बढ़ सकती है।

मृत: जीवामृत बनाने के लिए 180 लीटर पानी + 10 लीटर देशी गाय का मूत्र + 10 कि.ग्रा. देशी गाय का गोबर + 1 मुट्ठी धान की मिट्टी / काई-पाला मिट्टी / रफड़ा मिट्टी + 1 कि.ग्रा. देशी गुड़ + 1 कि.ग्रा. चने के आटे के मिश्रण को एक बैरल में डालकर सुबह और शाम दो बार 2 दिनों के लिए और सर्दियों में 4 दिनों के लिए 1-1 मिनट के लिए एक लंबी छड़ी से दक्षिणावर्त घुमाया जाता है और कपड़ों के माध्यम से संप्रहित किया जाता है। इसे अनाज, दालें, बागवानी, औषधीय या किसी अन्य वर्ग की फसलों को दिया जा सकता है।

प्रसव का तरीका:

(1) सिंचाई जल से

(2) मुख्य फसल की दो कटाई के बीच सीधे जमीन के ऊपर

(3) खड़ी फसल पर छिड़काव करके,

उपरोक्त तीन तरीकों में से किसी एक द्वारा प्रति एकड़ 200 लीटर जीवामृत को महीने में 1 से 3 बार फसल में डाला जा सकता है।

फायदे: मिट्टी में ह्यूमस मिलाने से माइक्रोबियल आबादी बढ़ती है, ह्यूमस के निर्माण में तेजी आती है, जो अनुपयोगी रूप में पोषक तत्वों को उपयोगी रूपों में परिवर्तित करता है और जड़ विकास को तेज करता है। जीवामृत सुप्त (समाधि में) केंचुओं को जगाता है और उन्हें काम पर लगाता है।

जीवित मृतकों के लिए फव्वारा विधि सर्वोत्तम है। क्योंकि फव्वारे का पानी मृत पदार्थ छिड़कता है और बढ़ा हुआ मृत पदार्थ मिट्टी में मिल जाता है। दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक होने पर जीवामृत दोपहर के बजाय सुबह या शाम को देना चाहिए। मृत जानवरों से भरे बैरल को अत्यधिक धूप या ठंड या बारिश के पानी के संपर्क में नहीं आना चाहिए। और इसे 15 दिनों तक इस्तेमाल किया जा सकता है.

ठोस मृत: ठोस शव बनाने के 3 तरीके हैं। **प्रथम विधि** के अनुसार 200 कि.ग्रा. गर्मी में सुखाया हुआ, छना हुआ देशी गाय का गोबर लें और उसके ऊपर फैला दें, उस पर दस प्रतिशत जैवनाशी छिड़ककर समान रूप से मिला दें। इस मिश्रण को 48 घंटे तक छाया में रखकर पतली परत में सुखा लें। इस लेवल को दिन में दो से तीन बार ऊपर-नीचे करें। और जब पूरी तरह सूख जाए तो गंगदा को पीसकर किसी जूट के थैले में जमीन के ऊपर लकड़ी के तख्त पर भर दें।

दूसरा तरीका: 100 किलो के हिसाब से देशी गाय का गोबर + 2 लीटर जीवामृत + 1 किलो देशी गुड़ + 1 किलो बेसन के मिश्रण को 48 घंटे तक छाया में रखें और दिन में 3 से 4 बार ऊपर-नीचे करें। मिश्रण सूख जाने पर पहली विधि के अनुसार गंगरा को कूटकर रख लीजिए.

तीसरा तरीका: गोबर गैस के अनुसार अंतिम घोल (स्लरी) 50 किलो को धूप में सुखाया जाता है। घोल पाउडर के रूप में + 50 कि.ग्रा. देशी गाय का गोबर + 1 कि.ग्रा. देशी गुड़+1 किलो बेसन+2 लीटर जीवामृत के मिश्रण को 48 घंटे तक छाया में रखें और दिन में 3 से 4 बार ऊपर-नीचे करें। पूरी तरह सूखने के बाद गंगदा को कुचल लें. आवश्यकतानुसार भंडारित करें।

देने की विधि:

बुआई से पहले अंतिम जुताई से पहले 200 किलोग्राम प्रति एकड़ छिड़काव करें। रासायनिक खाद की तरह बुआई के समय भी दिया जा सकता है। कुल स्थिति में 100 किलोग्राम प्रति एकड़। दे देना

फ़ायदा:

मिट्टी की नमी संचयन क्षमता बढ़ती है।

ध्यान रखने योग्य बातें:

बहुत ठंडा होने पर भंडारण करते समय बैग से ढक दें। अत्यधिक धूप या ठंड या बारिश के पानी के संपर्क में नहीं आना चाहिए। तीनों प्रकार के धन जीवामृत का प्रयोग एक वर्ष तक किया जा सकता है।

अग्रवाल महिला मैत्री संघ का सावन मेला आज से

सुरत भुमि, सूरत।

हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा दो दिवसीय सावन मेले का आयोजन आज से किया जाएगा। संघ की अध्यक्षा सविता सिंघानियाँ एवं सचिव वीणा बंसल ने बताया कि मेले का आयोजन ट्रैफिक अवेयरनेस थीम पर सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के पंचवटी हॉल में किया जाएगा। सावन मेले के शुभारंभ के अवसर पर शुक्रवार को मुख्य अतिथि के रूप में सूरत पुलिस कमिश्नर अनुपम गहलोत एवं अतिथि विशेष के रूप में बाइकिंग क्वीन सारिका मेहता उपस्थित रहेंगे। महिला उधमियों को प्लेटफ़ार्म देने के उद्देश्य से आयोजित मेले से प्राप्त आय को कैंसर हॉस्पिटल में दिया जाएगा।

सावन मेले में आगामी त्यौहार की सीजन के अनुरूप फैंसी राखी, हाउस डेकॉर, ज्वैलरी, गिफ्ट्स आईटम, साड़ी, ड्रेस, कॉस्टमेटिक आईटम आदि की स्टॉल रहेगी। सावन मेला में मुंबई, कोलकाता, जयपुर, दिल्ली सहित अनेकों शहरों से महिला उधमी उपस्थित रहेगी।

वीर नर्मद विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण अभियान

सूरत।

वीर नर्मद दि. गुजरात विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीण अध्ययन विभाग के परिसर में लगभग 200 फलदार पेड़ और घरेलू उपयोग के पौधे लगाए गए। न केवल पौधे लगाएंगे, बल्कि उन्हें बड़ा भी करेंगे, इसका संकल्प छात्र-छात्राओं और प्रोफेसरों समेत उपस्थित सभी लोगों ने लिया।

विशेष रूप से घरेलू उपचार के लिए उपयोगी लिंडरपिपली, अर्दुसी, इलायची, कुवरपथु, ब्राह्मी, नीनो जैसे औषधीय पौधे भी लगाए गए हैं। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. केएन चावड़ा एवं रजिस्ट्रार आरसी गढ़वी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से वृक्षारोपण अभियान प्रारंभ होगा।

सूरत जिला प्रभारी और वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने सूरत जिला योजना बोर्ड के विकास कार्यों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की

सूरत। सूरत जिले के प्रभारी मंत्री और वित्त, ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स राज्य मंत्री श्री कनुभाई देसाई ने सूरत जिला योजना बोर्ड की एक बैठक की, जिसमें वर्ष 2021-22 के दौरान विकेन्द्रीकृत जिला योजना की विभिन्न योजनाओं के तहत प्रगति, पहल की गई। 2024-25 विकास कार्यों की समीक्षा की गई. बैठक में शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया, सांसद मुकेशभाई दलाल सहित विधायक भी शामिल हुए।

जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में आयोजित बैठक में प्रभारी मंत्री श्री कनुभाई ने कहा कि राज्य सरकार सर्वेक्षण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन यह जरूरी है कि विकास कार्यों को तेजी से शुरू और पूरा किया जाये. गुणवत्ता और समय सीमा. जन प्रतिनिधि जनता की आवाज होते हैं, उनके प्रतिनिधित्व, सवाल सीधे जनता को प्रभावित करते हैं। संबंधित प्रवर्तन अधिकारियों को इस बात पर सतर्कता बरतने को कहा गया कि जन प्रतिनिधियों के प्रश्न लंबित न रहें। मंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार राज्य में ढांचागत सुविधाओं के समन्वित विकास के माध्यम से नागरिकों की खुशहाली बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में छूटी सुविधाओं के कार्यों को प्राथमिकता देने और योजना के तहत विकास कार्यों की निगरानी और उन्हें पूरा करने के लिए सघन प्रयास करने को कहा गया।

सभी के सहयोग से विकास कार्य कराकर जनता जनार्दन का हित बरकरार रखा जायेगा। मंत्री ने कहा कि लोगों की अपेक्षाओं को योजना बनाकर पूरा किया जा सकता है जिसके अनुसार कार्य रद्द कर दिए जाते हैं या उनके विरुद्ध तुरंत नए विकास कार्य शुरू कर दिए जाते हैं।

इस बैठक में पोर्टल पर समय पर डाटा एंट्री, तृतीय पक्ष पुनरीक्षण के तहत विकास कार्यों का सत्यापन और विधायकों द्वारा प्रस्तुत कार्यों सहित योजना बोर्ड के विभिन्न कार्यों पर चर्चा की गई. बैठक में जिला योजना के तहत विभिन्न प्रावधानों की समीक्षा की गई, जिसमें 15त्न विवेकाधीन, 5त्न प्रोत्साहन, एटीवीटी योजना, विधायक निधि, विकासात्मक तालुका प्रावधान और एमपीएलएडीएस के तहत स्वीकृत कार्य, प्री-मानसून संचालन, बारिश बाढ़ की स्थिति और संभावित बारिश आपदा के तहत राहत-बचत उपाय शामिल हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि महत्वपूर्ण बैठक में अधिकारी पूरी तैयारी के साथ आएं, ताकि महत्वपूर्ण कार्यों की अंतिम स्थिति की जानकारी मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को

जनता के कार्यों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिये।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती भवानीबेन पटेल, विधायक सर्वश्री गणपतसिंह वसावा, ईश्वरभाई परमार, प्रवीणभाई घोघरी, पूर्णेशभाई मोदी, अरविंद राणा, संगीताबेन पाटिल, मोहनभाई धोडिया, प्रभारी सचिव श्री आर.बी. बार्ड जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी, महापौर श्री दक्षेशभाई बैठक में मवानी, जिला विकास अधिकारी शिवानी गोयल, जिला पुलिस प्रमुख श्री हितेश जोयसर, सूडा कार्यकारी अधिकारी श्री के.एस. वसावा, निवासी अतिरिक्त कलेक्टर श्री विजय रबारी, जिला योजना अधिकारी श्री आर.आर. उपस्थित थे। भाभोर, जिला ग्राम विकास अभिकरण निदेशक एम.बी. प्रजापति, जिला-तालुका पंचायत और नगर निगम के अधिकारी सहित उच्च प्रवर्तन अधिकारी उपस्थित थे।

स्मार्ट हॉरर कॉमेडी गुजराती फिल्म " कारखानु" की स्टार कास्ट ने ली सूरत की मुलकात

सूरत।

आने वाली स्मार्ट हॉरर कॉमेडी फिल्म ' कारखानु ' दर्शकों के लिए कुछ अलग स्वाद लेकर आ रही हैफिल्म का नाम सुनकर लोग सोचते हैं कि क्या ये इस फिल्म में होगा? कुछ हद तक नई कहानी वाली इस फिल्म का निर्माण पैनोरमा स्टूडियो के बैनर तले "मर्कट ब्रदर्स" प्रोडक्शन हाउस द्वारा किया गया है। हाल ही में फिल्म का टीजर लॉन्च हुआ था, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। फिल्म की स्टार कास्ट पार्थ मधुकृष्ण, हार्दिक शास्त्री, धवल वाघेला और फिल्म के डायरेक्टर ऋषभ थानकी ने सूरत का दौरा किया. यहां उन्होंने कई कॉलेजों और जगहों का दौरा किया और फिल्म के बारे में चर्चा की। गौरतलब है कि फिल्म 2 अगस्त 2024 को रिलीज हो रही है।

कलाकारों की दमदार एक्टिंग, कॉमेडी टाइमिंग और शानदार बीजीएम इस फिल्म को दर्शकों के बीच हिट बनाएगी।फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें तो मशहूर लेखिका और अभिनेत्री काजल ओझा वैद्य, अर्चन त्रिवेदी, मकरंद शुक्ला, राजू बारोट के साथ-साथ पार्थ मधुकृष्ण, हार्दिक शास्त्री, हर्षदीप सिंह जड़ेजा और दधीचि ठाकर जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों ने फिल्म में चार चांद लगा दिए। उनकी एक्टिंग कमाल की है। इस फिल्म का निर्देशन ऋषभ थैंकी ने किया है। गुजराती फिल्मों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प के साथ, मर्कट ब्रदर्स टीम यह फिल्म लेकर आ रही है, जिसे पार्थ मधुकृष्ण, ऋषभ थांकी और पूजन पारिख ने लिखा है।

फिल्म के ट्रेलर से साफ है कि कारखानु वाकई एक खास फिल्म है. मेकर्स ने एक कॉलेज विजिट के दौरान कहा था कि "ट्रेलर या पोस्टर देखकर कोई भी धारणा न बनाएं, क्योंकि किसी फैक्ट्री के लिए की गई हर भविष्यवाणी गलत होगी।सौराष्ट्र की धरती की एक लोक-कथा पर नई तकनीक और हॉलीवुड स्तर की फिल्म बनाई गई है। तलपडी भाषा में संवाद भी मन मोह लेने वाले हैं।फिल्म एक ऐसे गांव की बात करती है जहां एक फैक्ट्री में 3 कारीगर रात में काम पर जाते हैं और जब उन्हें भूतों की मौजूदगी के बारे में पता चलता है तो आगे क्या होता है, यह इस फिल्म के जरिए देखना बाकी है। संक्षेप में कहा जा सकता है कि यह एक संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है। तो फिल्म " कारखानु " 2 अगस्त 2024 को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में आ रही है।

एसजीसीसीआई द्वारा 'सीटेक्स - सूरत इन्टरनेशनल टेक्सटाईल एक्सपो' का आयोजन

सूरत।

घी दक्षिणी गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और दक्षिणी गुजरात चैंबर ट्रैक एंड इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट सेंटर और सूरत टेकमैक फेडरेशन की संयुक्त पहल अगली तारीख पर। 20, 21 और 22 जुलाई, 2024 को सुबह 10ः00 बजे से शाम 7ः00 बजे तक सरसाना में सूरत अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर में तीन दिवसीय चसिएटल - सूरत इंटरनेशनल टेक्सटाइल एक्सपोज़ का आयोजन किया गया है।

एसजीसीसीआई के अध्यक्ष श्री विजय मेवावाला ने संवाददाताओं को बताया कि घी दक्षिणी गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित संपूर्ण कपड़ा उद्योग की मशीनरी को कवर करने वाली प्रदर्शनियों की च्सीटेक्सज़ श्रृंखला की यह 10वीं प्रदर्शनी है। चैंबर की महत्वाकांक्षी प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य शहर के कपड़ा उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई दिशा और गति देना है। कपड़ा प्रौद्योगिकी और मशीनरी के लिए इस प्रदर्शनी से सूरत के बढ़ते कपड़ा उद्योग को सीधा लाभ मिलता है। च्सीटैक्सज़ वास्तव में विकसित भारत ञ्2047 की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा, जो उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने में भी मदद करेगा।

टेक्सटाइल मशीनरी, टेक्सटाइल सहायक और मशीनरी, तकनीकी टेक्सटाइल मशीनरी, एयरजेट लूम्स, वॉटर जेट लूम्स, रैपियर लूम्स, इलेक्ट्रॉनिक जैक्वार्ड, डॉबी मशीन, वेलवेट वीविंग मशीन, सर्कुलर बुनाई, यार्न डाइंग, वैपिंग मशीन, डिजिटल प्रिंटिंग मशीनरी, पोजिशन प्रिंटिंग मशीनें, विभिन्न प्रिंटिंग स्याही, सिलाई मशीनें, फ़्यूज़िंग मशीनें और साथ ही बड़ी संख्या में मशीनरी और सहायक उपकरण प्रदर्शन पर होंगे, यही कारण है कि हमें कपड़ा उद्योग के सभी क्षेत्रों के प्रदर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। कपड़ा मशीनरी में प्रौद्योगिकी का उन्नयन किया जा रहा है। अब तक भारत में विभिन्न प्रदर्शनियों में 1100 से 1200 आरपीएम की स्पीड वाली मशीनें प्रदर्शित की जाती थीं, जबकि इस प्रदर्शनी में एयरजेट में 1600 आरपीएम की स्पीड वाली मशीन प्रदर्शित की जाएगी।

सूरत टेकमैक फेडरेशन के अध्यक्ष मुकेश पटेल ने बताया कि इस प्रदर्शनी में एयरजेट, वॉटर जेट, मोनो स्पैटिंग मशीन, डिजिटल प्रिंटिंग मशीन आकर्षण का केंद्र होंगी। एयर जेट मशीन पारंपरिक करघे की तुलना में 7 से 8 गुना अधिक उत्पादन देती है। जबकि वॉटर जेट मशीन 6 से 7 गुना अधिक उत्पादन देती है. चार साल पहले डिजिटल प्रिंटिंग मशीनें 24 घंटे में 1200 मीटर का उत्पादन करती थीं, जबकि प्रदर्शनी में प्रदर्शित होने वाली डिजिटल प्रिंटिंग मशीनें 24 घंटे में 6000 मीटर का उत्पादन कर सकती हैं। तो इस मशीन से 5 गुना ज्यादा उत्पादन लिया जा सकता है।

बच्चों को वायरल एन्सेफलाइटिस (चांदीपुरा) वायरस के संक्रमण से बचाएं

सूरत। पिछले कुछ दिनों में राज्य के कुछ जिलों में वायरल एन्सेफलाइटिस (चांदीपुरा) वायरस के संक्रमण से छोटे बच्चों, विशेषकर 9 महीने से 14 साल तक के बच्चों की मौत की सूचना मिली है। सौभाग्य से, सूरत जिले में चांदीपुरा वायरस संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया है। एहतियात के तौर पर स्वास्थ्य विभाग सतर्क है, ताकि लोगों में कोई भय न फैले.

चांदीपुरा वायरस क्या है?

यह एक आरएनए वायरस है. इसके संक्रमण से रोगी को मस्तिष्क क्षति (एन्सेफलाइटिस) हो जाती है। इस वायरस के फैलने के लिए रेत मक्खियाँ जिम्मेदार हैं। और यह वायरस 9 महीने से लेकर 14 साल तक के बच्चों को प्रभावित करता है।

चांदीपुरा वायरस के लक्षण-

बच्चे को तेज बुखार है.

दस्त।

उल्टी करना।

खिंचाव।

अर्धचेतन या अचेतन होना।

चांदीपुरा वायरस संक्रमण से बचने के लिए क्या करें?

1. जहां तक संभव हो बच्चों को घर के बाहर आंगन में (धूल में) नंगे बदन खेलने नहीं देना चाहिए।

2. इस बात पर जोर दें कि बच्चे कीटनाशक-उपचारित मच्छरदानी में सोएं।

3. रेत मक्खी को रोकने के लिए घर के अंदर और बाहर की दीवारों में दरारें, छेद बंद करना।

4. मच्छरों के प्रकोप को रोकने के लिए समय पर कीटनाशक का छिड़काव करें।

ऊपर बताए गए लक्षण दिखाई देने पर मरीज को तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए ले जाना चाहिए। केंद्रीय एवं राज्य स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार वायरल एन्सेफलाइटिस (चांदीपुरा) वायरस रोग के नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए एहतियाती उपायों के तहत मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी, जिला महामारी चिकित्सा अधिकारी, एहतियात के तौर पर स्वास्थ्य सिस्टम ने जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों को इस बीमारी से बचाव के दिशा-निर्देशों के प्रति जागरूक रहने का निर्देश दिया है।

जिला योजना बोर्ड के विकास कार्यों की समीक्षा के तहत क्रियान्वयन अधिकारियों को मार्गदर्शन देते जिला प्रभारी सचिव श्री आर.बी.बारड

सूरत।

सूरत जिला प्रभारी सचिव श्री आर.बी. बार्ड ने सूरत जिला योजना बोर्ड की बैठक में वर्ष के दौरान विकेन्द्रीकृत जिला योजना की विभिन्न योजनाओं के तहत प्रगति और शुरू नहीं हुए विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान उच्च कार्यान्वयन अधिकारियों को उपयोगी मार्गदर्शन दिया। 2021-22 से 2024-25।

समाहर्ता कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में प्रभारी सचिव ने कहा कि अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि जिला स्तरीय योजनाओं की समीक्षा एवं मूल्यांकन करें तथा उनके क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयास करें. उन्होंने जन प्रतिनिधियों, स्थानीय स्व-सरकारी निकायों, सेवा-संगठनों और जनता को अधिक सहयोगात्मक होने और उनकी समस्याओं का समाधान करने तथा विकास कार्यों और उसके फलों को शत-प्रतिशत लाभार्थियों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर श्री डॉ. सौरभ पारधी, जिला विकास अधिकारी शिवानी गोयल, जिला पुलिस प्रमुख श्री हितेश जॉयसर, सूडा के कार्यकारी अधिकारी श्री के.एस. वसावा, निवासी अतिरिक्त कलेक्टर श्री विजय रबारी, जिला योजना अधिकारी श्री आर.आर. भाभोर, जिला ग्राम विकास अभिकरण निदेशक एम.बी. प्रजापति, जिला-तालुका पंचायत और नगरपालिका अधिकारी सहित उच्च प्रवर्तन अधिकारी उपस्थित थे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)